दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-68 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 25 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

'रंग दे बसंती चोला' में उमड़ा देशभक्ति का ज्वार: शहीद दिवस पर मध्य प्रदेश प्रेस क्लब का भव्य आयोजन

भोपाल। अमर शहीदों की गौरवगाथा और राष्ट्रप्रेम की गहन अनुभूति से ओतप्रोत 23 मार्च का दिन मध्य प्रदेश प्रेस क्लब द्वारा आयोजित 'रंग दे बसंती चोला' कार्यक्रम के माध्यम से एक अविस्मरणीय उत्सव में परिवर्तित हो गया। शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की पावन शहादत को समर्पित इस आयोजन ने उपस्थित जनसमूह के हृदय में देशभक्ति की ऐसी ज्योति प्रज्वलित की, जो शाम 5:30 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि 10:00 बजे तक निरंतर भावनाओं के उत्कर्ष को स्पर्श करती रही।

कार्यक्रम में प्रस्तुत गीत-संगीत की सुरमयी धारा ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। श्रोता मंत्रमुग्ध होकर देशप्रेम के सागर में डूबते-उतराते रहे, वहीं युवाओं में जोश और राष्ट्रगौरव की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। इस गरिमामयी अवसर पर सीआरपीएफ, जीआरपी, रैपिड एक्शन फोर्स सहित विभिन्न पैरामिलिट्री बलों के जवान, एनसीसी कैडेट्स, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, बुद्धिजीवी एवं आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. विजय कुमार अग्रवाल रहे, जबकि अध्यक्षता मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने की। विशेष अतिथियों में असिस्टेंट कमांडेंट श्री जी.पी. सिंह, गैलेंट्री अवॉर्ड विजेता धीरेंद्र सिंह एवं नरेंद्र कुमार, डॉ. रत्नेश जैन (डीन, स्टूडेंट वेलफेयर), डॉ. सुनील पाटिल (परीक्षा नियंत्रक), डॉ. गगन शर्मा एवं डॉ. बलजीत शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. नवीन आनंद जोशी ने कहा कि 'आजादी का मूल्य उन वीर सपूतों के त्याग और बलिदान से निर्धारित होता है, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हमारा दायित्व है कि हम इस स्वतंत्रता की रक्षा करें और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करते रहें।' उन्होंने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश प्रेस क्लब पत्रकारिता के विकास के साथ-साथ सामाजिक सरोकार और राष्ट्रप्रेम से जुड़े ऐसे आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि 'भारतभूमि पर जन्म लेना हमारे लिए गौरव का विषय है। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा उसके महान सपूतों के कारण है।' उन्होंने इस आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को सहयोग देने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर शहीद परिवारों के सदस्यों का सम्मान किया गया तथा विभिन्न सुरक्षा बलों के जवानों को उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह क्षण अत्यंत भावुक और प्रेरणादायी रहा।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव अजय प्रताप सिंह ने प्रभावी ढंग से किया, जबकि आभार प्रदर्शन महेंद्र शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

विशेष आकर्षण के रूप में सैनिकों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों एवं होली के रंगों से सजी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का संचार किया।

फूलों की होली के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का अनूठा उत्सव मनाया गया, जिसने समूचे वातावरण को आनंद और उमंग से भर दिया।

'रंग दे बसंती चोला' केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रप्रेम, बलिदान और एकता की भावना का सजीव प्रतीक बनकर उपस्थित जनसमूह के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया।

जंग के बीच पहली बार मोदी-ट्रम्प की बातचीत

होर्मुज स्ट्रेट खुला रखने पर दोनों सहमत

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।उनके मुताबिक, दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात पर चर्चा की। खास तौर पर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की अहमियत पर जोर दिया गया।दूसरी तरफ खबर है कि ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार है। खामेनेई ने युद्ध को ईरान की शर्तों के अनुसार जल्द खत्म करने पर सहमति जताई है।अल अरबिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ को गुप्त रूप से बताया कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने वार्ता के लिए अनुमति दी है।

ट्रम्प ने ईरान पर हमला 5 दिन के लिए टाला

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत के बाद 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इन मुद्दों की पूरी लिस्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 5 दिन के लिए टाल दिए, जबकि इससे पहले होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है।

मुख्यमंत्री दतिया जिले के भांडेर में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में हुए शामिल

किसान ही देश के भाग्य विधाता हैं उनकी समृद्धि ही है हमारा संकल्प:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में निरन्तर आगे बढ़ रहा है। दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं, जहां संकट आया और प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल से भारतीय नागरिकों की घर वापसी सुनिश्चित न की गई हो। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दतिया जिले में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री बलराम को नमन करते हुए कहा कि किसान ही हमारे देश के भाग्य विधाता हैं। वे सूरज की तपती गर्मी में अपने परिश्रम से सभी के लिए अन्न उगाते हैं। कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए संकल्पित है।

किराये पर दिए जाएंगे कृषि यंत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान फसल काटने के बाद खेतों में नरवाई को न जलाएं, इससे भूमि की उर्वरा शक्ति क्षीण होती हैं। राज्य सरकार भूसा निर्माण के लिए हितग्राहियों को हैप्पी सीडर मशीनें प्रदान कर रही है। किसान भूसा बनाकर पास की गौशालाओं में बेचें। अब किसानों को गेहूं के साथ-साथ भूसे का भी पैसा मिलेगा। लघु कृषकों को समय पर किराये पर कृषि यंत्र मिल जाएं और उनकी खेती अच्छी हो जाए। इसके लिए विधानसभा स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर यानी कृषि यंत्रों की किराये की दुकान खोली जा रही हैं। बदलते दौर में पर्याप्त बिजली ,सभी की जरूरत है। वर्षा काल के बाद सिंचाई के लिए किसानों को चौबीस घंटे बिजली उपलब्ध कराएंगे। किसानों के लिए अनेकों योजनाएं लागू की गई हैं।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई नरवाई एवं पराली प्रबंधन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लगभग 20 से ज्यादा स्टॉल लगाए गए। इसमें कृषि अभियांत्रिकी, पशु कल्याण विभाग, सहकारिता विभाग, उद्यानिकी विभाग समेत विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम में विधायक श्री प्रदीप अग्रवाल, श्री रघुवीर शरण कुशवाहा, पूर्व विधायक श्री धनश्याम पिरोनिया, श्री कमलापत आर्य, श्रीमती रक्षा संतराम सरोनिया, श्री गजेंद्र सिंह सिकरवार सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

मोदी बोले

ईरान जंग जारी रही तो गंभीर नतीजे होंगे

आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा, टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट बोले। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसे हुए हैं। ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

मौजूदा संकट ने पूरी दुनिया को भुला दिया

पीएम ने कहा कि सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने और विदेशी निर्भरता कम करने पर काम कर रही है, क्योंकि ज्यादातर वैश्विक व्यापार जहाजों पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि अब भारत हथियारों और जीवन रक्षक दवाइयों में आत्मनिर्भर बन रहा है और रेयर अर्थ मिनरल्स पर निर्भरता घटाने के प्रयास हो रहे हैं। पीएम ने कहा कि वैश्विक संकट से दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है, लेकिन भारत पर कम असर हो इसके लिए सरकार लगातार हालात पर नजर रख रही है। पीएम ने कहा कि अब भारत 27 की जगह 41 देशों से ऊर्जा आयात कर रहा है और कच्चे तेल के भंडार पर भी ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में रिफाइनिंग क्षमता बढ़ी है और देश में क्रूड ऑयल की लगातार सप्लाई सुनिश्चित है। पीएम ने कहा कि सरकार एलपीजी के साथ पीएनजी और घरेलू गैस उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। पीएम ने कहा कि होर्मुज रूट से गैस और फर्टिलाइजर का बड़ा आयात होता है, लेकिन सरकार कूटनीति से तेल-गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है।

हमने होर्मुज स्ट्रेट खोले जाने पर बात की

पीएम मोदी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना जरूरी है, कमर्शियल जहाजों पर हमला अस्वीकार्य है और भारत ने समाधान के लिए संवाद का रास्ता सुझाया है। उन्होंने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अब तक 3.75 लाख से ज्यादा भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। पीएम ने बताया कि कुछ भारतीयों की मौत दुखद है, सरकार उनके परिवारों की मदद और घायलों के इलाज की व्यवस्था कर रही है।

पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा हुआ

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हुआ है, जिसका असर भारत पर भी पड़ रहा है।उन्होंने बताया कि पेट्रोल, डीजल, गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई प्रभावित है और गल्फ में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा चिंता का विषय है। पीएम ने कहा कि होर्मुज में भारतीय क्रू फंसे हैं, इसलिए शांति के लिए एकजुट आवाज जरूरी है.

असर लंबा रह सकता है, तैयार रहना होगा

पीएम ने ईरान जंग पर लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। मोदी ने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। पीएम ने कहा- हमें एकजुट रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार

इससे इनकार करना भेदभाव था; जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन की महिला अफसरों को पूरी पेंशन देने का आदेश दिया। जिन मामलों में महिला अफसर परमानेंट कमीशन नहीं मिलने के कारण पहले ही सेवा छोड़ चुकी थीं, उन्हें एकमुश्त राहत देते हुए 20 साल की सेवा पूरी मानकर पेंशन और अन्य लाभ देने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- सशस्त्र बलों के भीतर मौजूद सिस्टमिक भेदभाद के कारण महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन से वंचित किया गया। महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था। पूरा मामला स्स्ट के तहत नियुक्त महिला अफसरों की याचिकाओं से जुड़ा था, जिन्होंने देने की मांग की थी।

डिजिटल उपकरण जब्त

लाल किला धमाके में एनआईए ने जम्मू में नौ जगह की छापेमारी

श्रीनगर, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को लाल किला बम धमाके के मामले में जम्मू-कश्मीर में नौ जगह छापे मारे। कई डिजिटल उपकरण जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजे हैं। एनआईए के प्रवक्ता के अनुसार जिला श्रीनगर, बारामुला, जम्मू, कुलगाम, गांदरबल और कुपवाड़ा में ठिकानों को खंगाला गया है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने सुबह कुपवाड़ा में हंदवाड़ा के गुलूरा में एक कारोबारी के घर और कुलगाम के शुरट गांव में तलाशी अभियान चलाया। शुरट में मोहम्मद शफी के घर की तलाशी ली गई। टीम के साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान भी थे। इस दौरान इलाके को घेर लिया गया। अधिकारियों ने दस्तावेजों, मोबाइल फोन, लैपटॉप सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य चीजों की जांच की। जांच से जुड़े किसी भी संभावित लिंक या बातचीत के लिए डिजिटल डेटा की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने अभी कारोबारी की पहचान और उसकी कथित भूमिका की जानकारी नहीं दी है।

केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं:सुप्रीम कोर्ट का फैसला-

धर्म बदला तो अनुसूचित जाति का दर्जा भी खत्म हो जाता है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथदा की याचिका पर सुनाया गया।

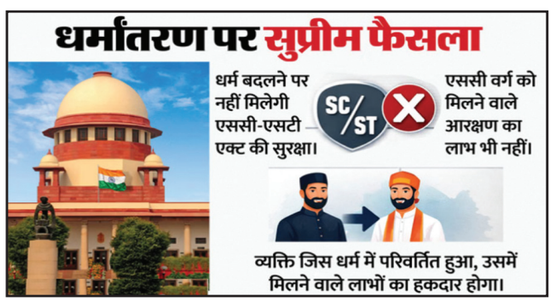

सुप्रीम कोर्ट पहले भी कह चुका

आरक्षण का लाभ लेने धर्म बदलना, संविधान से धोखा

1985 के सूसाई बनाम भारत सरकार से जुड़े एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाने के बाद दोबारा हिंदू धर्म में लौटता है, तो उसे एससी दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी। केवल लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के साथ धोखा करार दिया। यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया।

एकल आंचल समिति की बैठक संपन्न

■ पंचमुखी शिक्षा के माध्यम से गांव-गांव तक शिक्षा व संस्कार पहुंचाने का संकल्प

नगर संवाददाता, सतना।

एकल आंचल समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज आयोजित की गई, जिसमें केंद्र एवं राज्य से पधारे नवनीत कर्मा एवं श्रस्वप्निल दुबे ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात ईश्वरीय वंदना के साथ बैठक का विधिवत संचालन किया गया।

बैठक में एकल संस्था के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। पंचमुखी शिक्षा के माध्यम से विद्यालयों एवं ग्राम स्तर पर स्थापित समितियों को सक्रिय करने के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इसी क्रम में सतना प्रवास के दौरान विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार करना, बच्चों में संस्कारों का विकास करना एवं उनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना उत्पन्न करना है। इस अवसर पर सतना समिति के संरक्षक राजेंद्र सिंह कपूर, अध्यक्ष बृजेश शुक्ला, सरिता सिंह, प्रदीप कुशवाहा, संजय त्रिपाठी एवं प्रमोद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ग्राम स्तर पर शिक्षा के इस अभियान को और अधिक गति दी जाएगी तथा समितियों को सक्रिय कर व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा।

[रैली] घर-घर बांटे गए आमंत्रण, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा शहर

व्यंकटेश मंदिर व कृष्णनगर शक्ति केन्द्र से निकली श्री राम जागरण की भव्य रैली

नगर संवाददाता, सतना।

हिंदू पर्व समन्वय समिति के तत्वावधान में आगामी 27 मार्च को आयोजित होने वाली भव्य श्री रामनवमी शोभायात्रा के निमित्त शहर में रामभक्ति का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में व्यंकटेश शक्ति केंद्र, मुख्तियारगंज स्थित वेंकटेश मंदिर से श्री राम जागरण रैली का भव्य शुभारंभ किया गया। रैली वार्ड क्रमांक 5, 6, 7, 8, 9 एवं 10 से होते हुए रीवा रोड स्थित श्री साइन गार्डन में संपन्न हुई। रैली के शुभारंभ अवसर पर सर्व ब्राह्मण संगठन के अध्यक्ष पं. कमलाकर चतुर्वेदी, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, भास्कर भट्टाचार्य एवं चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने भगवा ध्वज दिखाकर रामभक्तों को रवाना किया।

कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर दिया आमंत्रण

वेंकटेश शक्ति केंद्र के अबीर द्विवेदी, आनंद मोहन मिश्रा एवं समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि रैली में समिति संयोजक

कमलजीत सिंह सेठी, जितेंद्र जैन, रामावतार चमड़िया, पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा, पार्षद आदित्य यादव, दीपेंद्र त्रिपाठी, विभाष बनर्जी, राजबहादुर मिश्रा, विक्रम चौधरी, हरिओम गुप्ता, भास्कर चतुर्वेदी, प्रदीप अवस्थी, आदर्श त्रिपाठी, विपिन सिंह, रोहित अग्रवाल, विनोद पंडित, शशि सिंह, राजकुमारी शुक्ला, नरेंद्रचंद 'डब्बू' गुप्ता, नारायण त्रिपाठी, राकेश तिवारी, प्रभाकर चतुर्वेदी, सचिन शुक्ला, रमेश सोनी, रामप्रकाश अग्रवाल, त्रिलोकी नारायण, सनी द्विवेदी, धनराज गुप्ता, अशोक खानेचा, एस.पी. तिवारी, केशव कोरी, भैया पंडित, राकेश रैकवार, जितिन यादव, श्याम लाल गुप्ता श्यामू विष्णु गुप्ता, महेश तिवारी, आयुषी तिवारी, माधव ताम्रकार, संतोष रैकवार, शिवकुमार त्रिपाठी, सुशील गर्ग, गुड्डा श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र विश्वकर्मा, सुनील वर्मन, शंकर सोनी, अरुण सोनी, मितेश गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भरहुत नगर, मारुति नगर, बस स्टैंड, गढ़िया टोला एवं रीवा रोड क्षेत्र में घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र वितरित किए।

श्री कृष्ण नगर शक्ति केंद्र की रैली भी रही आकर्षण का केंद्र

श्री कृष्ण नगर शक्ति केंद्र द्वारा निकाली गई श्री राम जागरण रैली को रामचरण गुप्ता एवं संदीप मंगल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जय श्रीराम के उद्घोष के साथ यह रैली खेरमाई रोड, कृष्णानगर रोड, सावरकर चौक, जीवन ज्योति कॉलोनी, आयुष्मान रोड, स्टेशन रोड, सर्किट हाउस चौक, रीवा रोड, सेमरिया चौक, आदर्श नगर, संग्राम कॉलोनी एवं उतेली क्षेत्र की गलियों से होते हुए मातृछाया में स्वल्पाहार के साथ संपन्न हुई। इस दौरान उत्तम बनर्जी, इंजी. रमेश जैन, महापौर योगेश ताम्रकार, रामावतार चमड़िया, प्रदीप सक्सेना, राजेश मेहता, राजेश कोटवानी, आशीष वाजपेई, जान्हवी त्रिपाठी, अरविंद गुप्ता, सुरेश बड़ेरिया, अशोक सिंह, कमलजीत सिंह सेठी, जितेंद्र जैन, अनिल शर्मा, हरिओम गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता, श्यामू, राजेंद्र कुशवाहा, तरुणेंद्र मिश्रा, अनुराग गोस्वामी, त्रिलोकीनाथ केसरवानी, जितेंद्र सबनानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज निकलेगी शक्ति साधना रैली

हिंदू पर्व समन्वय समिति के वरिष्ठ सदस्य इंजी. रमेश जैन ने बताया कि मंगलवार प्रात: 7:30 बजे हनुमान शक्ति केंद्र की रैली चमन चौक, घूरडांग से प्रारंभ होकर ट्रांसपोर्ट नगर स्थित शिवालय में पूर्ण होगी। वहीं शाम 5:00 बजे मातृशक्ति की विशाल वाहन रैली सुभाष पार्क से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करेगी। शक्ति साधना रैली में मातृशक्ति केसरिया ध्वज लहराते हुए दोपहिया वाहनों से जय श्रीराम के उद्घोष के साथ श्री राम जागरण रथ के साथ नगर भ्रमण करेंगी। रैली का समापन पुरानी गल्ला मंडी परिसर में होगा, जहां पीजीएम क्लब एवं क्षेत्रवासियों द्वारा स्वागत-सत्कार किया जाएगा।

समिति की अपील

हिंदू पर्व समन्वय समिति ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारियों से अधिक से अधिक संख्या में श्री राम जागरण रैली एवं शक्ति साधना रैली में शामिल होकर धर्म, संस्कृति और एकता के इस महापर्व को सफल बनाने की अपील की है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति इकाई के कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

नगर संवाददाता, सतना।

सरदार भगत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर राजेश्वरी क्लब हाउस बिलहरी जबलपुर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति ईकाई मध्य प्रदेश के कार्यकारिणी की बैठक प्रारंभ हुई। बैठक प्रारंभ होने के पहले शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू सुखदेव को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात बैठक प्रारंभ हुई जिसमें संगठनात्मक निर्णय लिए गए जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.राजा भइया मिश्रा द्वारा डॉ.आलोक

चंसोरिया का नाम प्रदेश अध्यक्ष के लिये प्रस्तावित किया।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा उक्त प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि बहुत शीघ्र प्रदेश के सभी जिलों में जिला कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा जिसके माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियों को स्थाई बनाने का प्रयास किया जायेगा साथ ही युवाओं में राष्ट्रभक्त की भावना जगाने का कार्य किया जायेगा।

उक्त बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमल अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष डॉ.आलोक चंदसोरिया प्रदेश अध्यक्ष पद्मावती पांडे डॉ.राजा भैया मिश्रा प्रदेश महासचिव अरुण प्रताप सिंह संयुक्त सचिव सावित्री सिंह कोषाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य चूड़ामणि सिंह गौन डॉ.हर्षवर्धन श्रीवास्तव, रविदत्त राय जिलाध्यक्ष सतना जितेन सिंह, रीवा प्रसन सिंह, कटनी मयंक अग्रवाल, जबलपुर दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रवक्ता छाया गुप्ता द्वारा दी गई।

पं.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 में कार्यकर्ताओं को मिला संगठन का मार्ग दर्शन

नगर संवाददाता, सतना।

कुशाभाऊ ठाकरे मंडल के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत उमा रिसॉर्ट, पतेरी में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठन की कार्यप्रणाली, विचारधारा एवं विभिन्न विषयों पर गहन मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, संभागीय संगठन प्रभारी विजय दुबे, जिला प्रभारी जी.एस. ठाकुर एवं भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को

संगठन की मजबूती, वैचारिक आधार, अनुशासन एवं बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया तथा संगठन की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। विभिन्न सत्रों में संगठनात्मक कार्यप्रणाली, जनसंपर्क, डिजिटल माध्यमों के उपयोग और नेतृत्व क्षमता विकास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कुशाभाऊ ठाकरे मंडल अध्यक्ष दीपेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने प्रशिक्षण में शामिल सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग संगठन को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन भविष्य में भी इसी प्रकार मिलता रहेगा तथा कार्यकर्ता संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय और जन-आधारित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका।

म.प्र.अग्रवाल युवा महासभा ने किया प्रसाद का वितरण

सतना। मध्य प्रदेश अग्रवाल युवा महासभा के द्वारा सिद्धीदात्री मंदिर बिरला रोड में माता की पूजा आरती एवं प्रसाद का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी बद्री प्रसाद यादव एवं अजय अग्रवाल उपस्थित रहे। जिसमें महासभा के संरक्षक संजय अग्रवाल अध्यक्ष डॉक्टर अशोक अग्रवाल उपाध्यक्ष संजय बंसल दाल मिल कोषाध्यक्ष संजय बंसल डाटा केयर मार्गदर्शक घनश्याम अग्रवाल पलाश अग्रवाल संजय बड़े रिया प्रदीप समदड़िया संजय गुप्ता राजू अग्रवाल सुबोध अग्रवाल आदित्य अग्रवाल ओम प्रकाश एवं बड़ी संख्या में जन मानस उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष डॉ.अशोक अग्रवाल ने दी।

कायस्थ समाज ने रामनवमी शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर की बैठक

नगर संवाददाता, सतना।

हिंदू पर्व समन्वय समिति के तत्वावधान में होने वाली श्री रामनवमी शोभा यात्रा को सभी वर्ग के लोग विशेष उत्साह के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं इसी क्रम में कायस्थ समाज सतना द्वारा श्री चित्रगुप्त मंदिर जगत देवतालाब में बैठक आयोजित की गई जिसमें निकलने वाली झांकी एवं अन्य सभी पहलुओं पर विचार करते हुए अंतिम रूप दिया गया जिसमें प्रमुख रूप से डॉक्टर रमेश श्रीवास्तव, समीर श्रीवास्तव, आनंद किशोर श्रीवास्तव, श्रीमती चांदनी श्रीवास्तव, बृजेश निगम, आनंद शंकर खरे, धनंजय श्रीवास्तव, कुंतीश श्रीवास्तव, राव प्रवल श्रीवास्तव, रवि प्रकाश खरे, विगेंद्र श्रीवास्तव, सुधीर निगम, तरित निगम, राज श्रीवास्तव, वयं श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव और विवेक श्रीवास्तव के द्वारा समाज के सभी लोगों को शोभायात्रा में आने के लिए और रैली को सफल बनाने के सभी छोटे बड़े लोगों से अपील की है।

कन्या पूजन कर मनाया रामोत्सव

नगर संवाददाता, सतना।

विश्व हिंदू परिषद द्वारा जिले भर में रामोत्सव का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमे प्रत्येक दिन अलग अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है इसी क्रम मे सोमवार को खोवा मंडी परिसर में नव देवियों का पूजन कर प्रशाद वितरण किया गया जिसमे मातृ शक्ति एवं दुर्गा वाहिनी की बहनों ने नव देवियों का पूजन अर्चन किया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष विक्रम चौधरी जिला उपाध्याय राज बहादुर मिश्रा नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष अनिल जैशवाल ऋषभ सिंह छोटू सौरभ अग्रवाल हेमंत पांडे सागर चौरसिया अमित सोनी गोपीचंद कापड़ी अनिल सचदेवा बालकृष्ण शुक्ला रत्नाकर चतुर्वेदी प्रश्नजीत सिंह नीरज शुक्ला विनोद गेलानी सहित बड़ी संख्या में राम भक्त उपस्थित हुए।

मानवाधिकार परिषद ने अर्पित की शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता, सतना।

मानवाधिकार परिषद जिला सतना द्वारा शहीद दिवस के पावन अवसर पर सिविल लाइन स्थित शहीद स्मारक पर देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर शहीदों के त्याग और बलिदान को नमन किया।

कार्यक्रम के माध्यम से मानवाधिकार परिषद ने समाज को यह संदेश दिया कि देश के शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखना

और उनके आदर्शों पर चलना हम सभी का कर्तव्य है। परिषद लगातार मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय और जन-जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरुणेंद्र तिवारी, जिला संगठन सचिव नीरज कुमार, उपाध्यक्ष बालेंद्र सिंह, सचिव अभिनय सिंह, उपाध्यक्ष राम छवि त्रिपाठी जी, शिव पटेल ,संदीप सिंह तिवारी ,महिला विंग अध्यक्ष सुशीला पांडेय ,श्याम जी उपाध्याय ,सदस्य ओम प्रकाश जी सहित सैकड़ों की संख्या में परिषद के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल शहीदों को श्रद्धांजलि देना था, बल्कि समाज में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और देशभक्ति की भावना को सशक्त करना भी रहा।

अब तक 9 विद्यालयों में शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित की जा चुकी

लायंस क्लब द्वारा अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु की प्रतिमा का अनावरण

नगर संवाददाता, सतना।

अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स द्वारा दिनांक 23 मार्च को दोपहर 2 बजे स्थानीय भटनवारा स्थित पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अमर शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव व शहीद राजगुरु के 95 वें शहीद दिवस पर शहीदों की प्रतिमा का अनावरण किया गया। जोन चेयरपर्सन लायन धर्मेंद्र सेन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लायंस इंटरनेशनल, डि.3233 सी (म.प्र., छत्तीसगढ़) के सेकंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन पवन मलिक रहे, एवं अध्यक्षता पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी ने की।

विशिष्ट अतिथि अशोक प्रताप सिंह, लायन एड मकसूद अहमद, लायन विनय त्रिपाठी, लायन जसविंदर सिंह भाटिया 'बब्बल' रहे। संचालन लायंस अध्यक्ष लायन शैलेन्द्र त्रिपाठी ने किया। क्लब सचिव लायन आशीष डी केशरवानी ने बताया कि विद्यालय प्राचार्य रामसिया प्रजापति एवं प्रधानाध्यापक सत्यव्रत त्रिपाठी की विशेष उपस्थित में अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम विद्यालय प्रांगण में अमर शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु की प्रतिमा का अनावरण किया। तत्पश्चात उपस्थित लोगों ने देशभक्ति नारे लगाए।

शहीदों के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना उद्देश्य

मुख्य अतिथि लायन पवन मलिक ने बताया कि विद्यालयों में शहीदों की प्रतिमायें स्थापित करने का उद्देश्य देश के भावी कर्णधारों को शहीदों के बलिदान एवं हिन्दुस्तान के

गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है।

9 विद्यालयों में प्रतिमाएं स्थापित हो चुकी

लायन पवन मलिक ने बताया कि लायंस क्लब द्वारा लगातार आठवें वर्ष शहीद दिवस पर 23 मार्च को शहीदों की प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है। इससे पूर्व 2018 में शासकीय विद्यालय खूंथी, 2019 में शासकीय विद्यालय महादेवा, 2020 में शासकीय विद्यालय प्रेम नगर, 2021 में शासकीय हाई स्कूल धवारी, 2022 में शासकीय कन्या धवारी विद्यालय, 2023 में शासकीय हाई स्कूल सिविल लाइन, 2024 में शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय वेंकट क्र. 1 सतना, 2025 में शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय वेंकट क्र. 2 सतना, 2026 में पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भटनवारा, में शहीदों की प्रतिमा स्थापित की गई।

यह रहे उपस्थित

लायंस क्लब के सचिव लायन आशीष डी केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य रूप से पवन मलिक, आलोक त्रिपाठी, अशोक प्रताप सिंह, धर्मेंद्र सेन, शैलेन्द्र त्रिपाठी, विनय त्रिपाठी, पीएमजेएफ लायन जय कुमार जैन, एड मकसूद अहमद, जसविंदर सिंह भाटिया बब्बल, कृष्ण कुमार द्विवेदी, आशीष डी केसरवानी, रामसिया प्रजापति, सत्यव्रत त्रिपाठी, रविंद्र नाथ पांडे, छोटे लाल सिंह, कृष्ण चतुर्वेदी, नीतू आहूजा, प्रवीण कुमार मिश्रा, उर्वशी सोनी, राम रुचि मिश्रा, विनीता रावत, बृजेंद्र प्रताप सिंह, आशुतोष द्विवेदी, सुषमा वर्मा, रीता तिवारी, अजय प्रताप सिंह, सीमा गर्ग, श्रवण चतुर्वेदी, अजय तिवारी, द्वारिका प्रसाद, सुरेश प्रसाद मिश्रा, दशरथ प्रसाद, शेर सिंह कश्यप, मीणा त्रिपाठी, देवेश कुमार बुनकर, मनोज कुमार वर्मा, रविंद्र गौतम, आदि उपस्थित रहे।

ए.के.एस. के 7 बीबीए छात्रों ने यूसीएल में समझा उद्योग का वास्तविक स्वरूप

नगर संवाददाता, सतना।

ए.के.एस. यूनिवर्सिटी, सतना के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने यूसीएल, सतना का औद्योगिक भ्रमण कर उद्योग जगत की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। यह भ्रमण छात्रों के लिए कक्षा के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक अनुभव से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। कार्यक्रम का समन्वय डॉ.अनुराग सिंह परिहार एवं शीनू शुक्ला ने किया, जबकि इसका नेतृत्व डीन एवं हेड डॉ.कौशिक मुखर्जी के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने कहा कि इस तरह के भ्रमण विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट वातावरण और प्रबंधन के वास्तविक आयामों से परिचित कराते हैं। यूसीएल में एचआर हेड मनोज तिवारी एवं सहायक शशिकांत सिंह ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए संस्थान की संरचना, मानव संसाधन नीतियों और कार्यप्रणाली पर जानकारी दी। इसके बाद छात्रों को उत्पादन इकाई का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण और संचालन प्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से देखा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए एचआर प्रबंधन, औद्योगिक सुरक्षा और उत्पादन प्रणाली से जुड़े प्रश्न पूछे। विशेषज्ञों द्वारा दिए गए उत्तरों ने उनकी समझ को और गहरा किया। कार्यक्रम के अंत में यूसीएल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। विश्वविद्यालय प्रबंधन का मानना है कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शहादत दिवस पर एसकेएम ने मनाया साम्राज्यवाद विरोधी दिवस

रीवा। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आवाहन पर रीवा एसकेएम इकाई ने किसानों मजदूरों के संघर्ष को तेज करने शहीदे आज़म भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस पर मुक्त व्यापार समझौते के खिलाफ ऋतुराज पार्क रीवा में साम्राज्यवाद विरोधी दिवस मनाया। साथ ही समाजवाद के जनक डॉ राममनोहर लोहिया के जयंती अवसर पर उन्हें याद किया गया। उक्त अवसर पर मोर्चे के नेता गयाप्रसाद मिश्र इंद्रजीत सिंह शंखू संतकुमार पटेल अरुण कुमार सिंह अनिल मिश्रा शिवनाथ सिंह बघेल भरत कुशवाहा संतोष कुमार पटेल धर्मेंद्र सिंह लल्लू पांडे महेश गुप्ता संजय तिवारी राजेंद्र पटेल मंधीर सिंह सुनील बुनकर आदि किसान मजदूर साथी उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद स्व चंद्रमणि त्रिपाठी की पुण्यतिथि पर व्याख्यानमाला आज

रीवा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शुमार रहे पूर्व सांसद स्व चंद्रमणि त्रिपाठी की 13 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सौदामिनी सेवा संस्थान न्यास द्वारा व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त व्याख्यानमाला 'भारत में संसदीय लोकतंत्र और राजनैतिक दलों की भूमिका' विषय पर आयोजित हो रही है उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी रहेगें। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक रामपुर बघेलान प्रभाकर सिंह,वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल एवं ज्ञानेंद्र तिवारी उपस्थित रहेंगे। उक्त व्याख्यानमाला 11 बजे से माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय रीवा के सभागार में आयोजित होगा। उक्त कार्यक्रम में सौदामिनी सेवा संस्थान न्यास की सदस्य श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी ने सभी से शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ पत्रकार बंधुओं का सम्मान भी किया जाएगा।

कांग्रेस ने विधानसभावार मण्डलम अध्यक्षों की जारी की सूची

रीवा, नगर संवाददाता।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे एवं लोकसभा मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संगठन सृजन अभियान मे मण्डलम अध्यक्षों की भूमिका को पार्टी संगठन को सुदृढ करने मे महत्वपूर्ण ईकाई माना हैं, तथा संगठन को ग्राम पंचायत/नगर के वार्डों मे कमेटियों के गठन को प्राथमिकता दी हैं। इस उद्देश्य से प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अनुमोदित जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा एवं शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू ने विधानसभावार मण्डलम अध्यक्षों की सूची जारी की हैं, जिसके अनुसार विधानसभा सिरमौर-68 के ब्लाक सिरमौर मे मण्डलम राजगढ़ प्रेमलाल दाहिया, पड़री दिलीप सिंह, बदरांव गौतमान अरूण कुमार पाण्डेय, तिलखन अजीत सिंह, उमरी राजेन्द्र द्विवेदी, क्योंटि में मनीष मिश्रा, सिरमौर में हीरामणि मिश्रा, बैकुण्ठपुर में मुजीब खान, ब्लाक जवा के चौखण्डी शारदा प्रसाद द्विवेदी, किरहाई संदीप त्रिपाठी, जवा विजय कुमार सिंह, सितलहा प्रभाकर सिंह पटेल, गाढ़ा 137 धनेन्द्र पाण्डेय, पटेहरा संजय कुमार पाण्डेय, ब्लाक डभौरा में खाझा गुमान सिंह, पनवार रामायण तिवारी, बरहुला बालमुकुंद तिवारी, अतरैला अवध नारायण साहू, लोहगढ़ रामनिवास पाण्डेय, डभौरा अरूण सिंह, विधानसभा सेमरिया 69 के ब्लॉक बनकुइंया के मण्डलम बहुरीबांध रामेश पाण्डेय, चौरा कमलेश तिवारी, दादर मनोज शुक्ला, विहरा राजपति सिंह, बैजनाथ अशोक प्यासी, ब्लॉक मझियार के मण्डलम खैर पूर्णेन्द्र सिंह,

मनकहरी रावेन्द्र कुमार तिवारी, कटकी अरूण कुमार द्विवेदी, मण्डलम शाहपुर के मण्डलम बरौं विश्नाथ सिंह, बीडा गुरूगोविन्दास सोनी, वीरखाम अनूप शुक्ला, मोहरबा अखिलेश द्विवेदी, ब्लाक सेमरिया के मण्डलम रगौली इन्द्रराज सिंह, कुम्हारा जुरमानी बीरेन्द्र सिंह, खम्हरिया राजेश कुमार शर्मा, सेमरिया जावेद खान, बडी हर्राई भूपेन्द्र सिंह, तिघरा दिनेश कुमार त्रिपाठी, बधरा रामचंद्र मिश्रा, विधानसभा त्योंथर-70 के ब्लाक त्योंथर में मण्डलम चांदी दिनेश सिंह, त्योंथर इलाही बक्स, अंजोरा लाल बहादुर सिंह, सोहागी इन्द्रनारायण भूर्तिया, कांकर विष्णुदेव सिंह, कटरा दिनेश कुमार पाल, मझिगवां अमित कुशवाहा, ब्लाक चाकघाट के मण्डलम चाकघाट नारायणदास केशरवानी, बडागांव मुनि महेश सिंह, कोरांव रमाशंकर कोल, रायपुर हरीशचंद्र भूर्तिहा, सोनौरी जय प्रकश सिंह, चौरा अशोक सिंह, ब्लाक गढी के मण्डलम सूती विनय सिंह, चौखडा अमित सिंह, गढी राजेश कुमार तिवारी, बाबा की बरौली राजेन्द्र सिंह, कोटरा कला रामबहादुर सिंह, परिसया देवेन्द्र सिंह, भुनगांव डॉ रामदरश सिंह, विधानसभा मनगवा-73 के ब्लाक गंगेव मण्डलम गंगेव ऋषिकेश पाण्डेय, रधुनाथगंज उमेश पटेल, मढ़ी राकेश सिंह, जोरौट रजनीश पाण्डेय, तिवनी देवेन्द्र चतुर्वेदी, जोरौड़ी अम्बुज पाण्डेय, बेलवा पैकान संतोष चतुर्वेदी, मनगवां पुष्पेन्द्र वर्मा, ब्लाक लालगांव के मण्डलम लालगॉव बी पी सिंह, देवास मनकेश तिवारी, रौरा अम्बरीश पटेल, तेंदुन राजेश सिंह, हिनौती बृजराज सिंह, ब्लाक गढ के मण्डलम गढ़ अच्छे खान, लौरी सतेन्द्र सिंह, खर्रा राम प्रसाद पाठक, कसियारगांव संदीप सिंह, भीर राजेश तिवारी, रामपुर पवन मिश्रा, विधानसभा गुढ़-75 के ब्लाक गुढ के मण्डलम गुढ़ प्रदीप त्रिपाठी, बड़ागांव राकेश चतुर्वेदी, पुरास देवेन्द्र पाठक, महसांव शंकरलाल चौरासिया, पुरवा रजनीश मिश्रा, दुआरी हरिप्रकाश अग्निहोत्री ''रहीस'', बदवार संजीव मिश्रा, ब्लाक गोविन्दगढ के मण्डलम बांसा रामबहोर यादव, डिहिया घनश्याम सिंह, शिपवुर्वा शैलेश कुमार पाण्डेय, तमरा राकेश चतुर्वेदी, टिकर जितेन्द्र कुमार मिश्रा, अमिलकी रविशंकर पाण्डेय, कनौजा जगदीश पाण्डेय, गोविन्दगढ़ कमलेश नामदेव, ब्लाक रायपुर कर्चुलियान के मण्डलम रायपुर कर्चुलियान देवेन्द्र सिंह, रौरा पवन तिवारी, पहाड़िया उमेश तिवारी, सुरसा विपिन पटेल, चोरगडी राकेश कुमार शर्मा, विधानसभा रीवा-74 के ब्लाक बोदाबाग के मण्डलम लौआ उर्फ लक्ष्मणपुर अभिषेक साकेत, सगरा संजू रजक, इटौरा चंद्रशेखर पटेल, बोदाबाग दिलीप चौबे, अनंतपुर शेषमणि पटेल, रतहरा अशोक कुमार पटेल, अमहिया तरूणेन्द्र तिवारी, ब्लाक ढेकहा के मण्डलम मैदानी कमल नयन पाण्डेय, गोडहर दिनेश कुमार गौतम, ढेकहा प्रदीप कुमार साकेत, निपनिया नीरज सेन अंजू, बांसघाट सुरेश दुबे, घोघर शहादतउल्ला खान, उपरहटी राहुल सिंह, ब्लाक चिरहुला के मण्डलम बाणसागर अमित तिवारी, बदरांव (चिरहुला) सुनील दुबे, महाजन टोला लल्लू यादव, रानीतालाब (बिछिया) आशिक खान, सिलपरा रवि बहादुर सिंह, कोठी अखिलेश तिवारी, लक्ष्मणपुर राकेश पटेल की नियुक्ति की गयी हैं। नगर अध्यक्षों की नियुक्ति करते हुए श्री शर्मा ने बताया कि बैकुण्ठपुर मे संतोष सिंह, सिरमौर मे बृजेश पाण्डेय, डभौरा में शंकर प्रसाद आरक, सेमरिया में आदर्श कश्यप, त्योंथर में धर्मेन्द्र मांझी, चाकघाट में अनिल कुमार गुप्ता, मनगवां में शंकर राघव तिवारी, गुढ़ में सज्जन सिंह, गोविंदगढ़ में माधव साकेत की नियुक्ति की गयी हैं।

हम सत्ता के लिए नहीं,बल्कि विचारधारा के तौर पर जाने जाते हैं: वीरेन्द

रीवा, नगर संवाददाता।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत मंडलों में 24 घंटे का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहे हैं। सोमवार को सेमरिया मंडल के प्रशिक्षण का शुभारंभ बसामन मामा गौ अभ्यारण में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने दीप प्रज्वलन एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ किया। उन्होने कहां की भाजपा ने विचारधारा और कार्यपद्धति के साथ कभी भी समझौता नहीं किया, देश की राजनीति में वास्तव में दो ही दल ऐसे रहे हैं जिनकी स्पष्ट विचारधारा और कार्यपद्धति रही है एक कम्युनिस्ट पार्टी और दूसरी भारतीय जनता पार्टी। कम्युनिस्ट पार्टी अपनी विचारधारा के कारण जनता से दूर होती गई,भाजपा ने हमेशा अपनी

विचारधारा और संगठनात्मक पद्धति को सर्वोपरि रखा है और इसी कारण आज पार्टी पूरे देश में सबसे आगे खड़ी है। हम सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विचारधारा के तौर पर जाने जाते हैं। मंडल प्रशिक्षण का शुभारंभ वंदे मातरम गीत के साथ वही समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर तेजी के साथ बढ़ रहा है। जनसंघ के गठन के समय पार्टी ने संकल्प लिया था, जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाना, राम मंदिर निर्माण और तीन तलाक पर प्रतिबंध, उन पर कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1985 में भाजपा मात्र दो सीटों पर सिमट गई थी तब भी हमने अपने विचारधारा से समझौता नहीं किया और प्रशिक्षण के बल पर आगे बढ़ते हुए आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी है।

भाजपा कार्यकर्ता का मूल स्वभाव सबको साथ लेकर चलने का:योगेन्द्र शुक्ल

वही शाहपुर मंडल प्रशिक्षण वर्ग का समापन भाजपा नेता योगेंद्र शुक्ला ने करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता का मूल स्वभाव सबको साथ लेकर चलने का है। आज के दौर में युवाओं की भूमिका बढ़ी है और नई तकनीक का उपयोग भी जरूरी है। हमारे महापुरुषों और नेताओं के त्याग और समर्पण के कारण ही संगठन आज इतना मजबूत हुआ है। हमारे संगठन की सफलता का राज हमारे कार्यकर्ताओं के समर्पण में है, और यही कारण है कि हम इन कार्यशालाओं व प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त बनाएंगे।भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को लगातार प्रशिक्षण और सशक्तिकरण के कार्यकर रही है, ताकि पार्टी की विचारधारा और प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता और दायित्वबोध को जागृत करने का भाव जागृत हो सके। मंडल प्रशिक्षण में पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता शुक्ला जिला मंत्री मनीष शुक्ला जय राम अग्निहोत्री सहित मंडल अध्यक्ष अरुणेंद्र तिवारी दिलीप सिंहमंडल पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिनौती में जल संरक्षण अभियान का शुभारंभ

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड रायपुर कर्चुलियान के तत्वाधान में हिनौती के बरैया टोला में जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता रैली कलश यात्रा जल पूजन वृक्ष पूजन और भजन कीर्तन के माध्यम से आम जनों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया। जल चौपाल का आयोजन कर चल संरक्षण के संकल्प दिलाए गए,जल जागरुकता रैली के माध्यम से घर-घर जाकर लोगों को जल है तो कल है का संकल्प दिलाया गया। वहीं जल चौपाल को संबोधित करते हुए ब्लॉक समन्वयक श्रीमती सुषमा शुक्ला ने कहा कि जल हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है वह बताने की आवश्यकता नहीं है हम सब का जीवन जल पर ही आधारित है चल संरक्षण के लिए समाज जागरूक होगा तो छोटे-छोटे प्रबंधन से जल

को बचाया जा सकता है। जल संरक्षण अभियान स्थानीय सरपंच श्रीमती सियावती प्रजापति द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह सामाजिक कार्यकर्ता मिट्ठू लाल जायसवाल द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस अवसर पर सच्चिदानंद शर्मा, वरुणेंद्र मनी त्रिपाठी रामकरण प्रजापति, रघुनाथ पटेल बीएसडब्ल्यू छात्र पूजा मिश्रा बृजेश शुक्ला जी दिलीप प्रजापति इंद्रलाल प्रजापति रामनिवास शुभम जायसवाल मनीष जायसवाल राम लखन जायसवाल दीपू वर्मा राम भवन जायसवाल राममिलन जायसवाल बिहारी केवट वृंदा प्रसाद मुकेश मनीष अंकित रोहित मनीष दुबे अनिल नई जगदीश सिंह बृजेश जैसवाल शिवनारायण सोधिया रविंद्र कुशवाहा आदित्य मिश्रा अहीर गांव रामनिवास कुशवाह अमवा विद्यार्थी प्रसाद पटेल अमवा दिनेश गुप्ता अंमवा राजकुमार गुप्ता मनोज कुमार नापित परामर्श दाता आदि भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एनएसएस प्रशिक्षण शिविर में शामिल छात्रा सम्मानित

रीवा, नगर संवाददाता।

कृषि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की छात्रा ने 23वें राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर जिसका प्रसंग 'मेरा युवा भारत एवम डिजिटल साक्षरता के लिए युवा' में सहभागिता कर उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की। यह शिविर 8 मार्च से 14 मार्च 2026 तक चित्रकूट स्थित दीनदयाल शोध संस्थान, उद्यमिता परिसर (विकासखंड मझगवां, जिला सतना) में आयोजित किया गया। उक्त शिविर हेतु महाविद्यालय की छात्रा सुश्री तृप्ति द्विवेदी पिता अरुण कुमार द्विवेदी का चयन किया गया था। शिविर से लौटने के उपरांत महाविद्यालय परिवार द्वारा छात्रा का

सम्मान एवं उत्साहवर्धन किया गया। छात्रा तृप्ति द्विवेदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शिविर में अनुशासन, समय प्रबंधन, टीम भावना एवं सेवा कार्यों के महत्व को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों, समूह गतिविधियों एवं श्रमदान कार्यक्रमों ने उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एस. के. त्रिपाठी ने छात्रा की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति मनीषा द्विवेदी ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये शुभकामनाये प्रेषित की।

सटीक स्वास्थ्य आंकड़े प्रभावी स्वास्थ्य नीति निर्माण का आधार: डॉ. ज्योति

- मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च यूनिट द्वारा कार्यशाला आयोजित
- मृत्यु के कारण का चिकित्सकीय प्रमाण एवं रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण

रीवा, नगर संवाददाता।

श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा स्थित मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च यूनिट द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन 22 मार्च को किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मृत्यु के कारण का चिकित्सकीय प्रमाण तथा रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण के प्रभावी उपयोग के साथ चिकित्सा अभिलेख की गुणवत्ता में सुधार लाना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर ज्योति सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, बाल

एवं शिशु रोग विभाग एवं पूर्व नोडल अधिकारी मल्टी-डिसीप्लिनरी रिसर्च यूनिट रीवा ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सटीक स्वास्थ्य आंकड़े प्रभावी स्वास्थ्य नीति निर्माण का आधार होते हैं तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाने में सहायक है। कार्यशाला के सम्मानित अतिथि के रूप में डॉक्टर पी.सी. द्विवेदी, पूर्व डीन, श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज की यह कार्यशाला केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में एक मजबूत कदम है। क्योंकि साक्ष्य आधारित नीतियों को बनाने में और लोक स्वास्थ्य परिणाम में सटीक डाटा अहम भूमिका अदा करता है।

विशेष अतिथि के रूप में डॉक्टर बीनू कुशवाह सिंह, नॉमिनी और डायरेक्टर रेगुलेशन एंड पॉलिसी नर्सिंग एवं पैरामेडिकल उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में डॉक्टर अतुल श्रीवास्तव, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल द्वारा महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया गया । इसके अतिरिक्त अन्य व्याख्या वक्ताओं में डॉक्टर वीनू कुशवाह सिंह, डॉक्टर लोकेश त्रिपाठी, डॉ चक्रेश जैन,डॉक्टर अजीत कुमार मार्को, डॉक्टर अमरीश मिश्रा डॉक्टर रजनीश कुमार पांडे एवं डॉ प्रतीश शुक्ल द्वारा विभिन्न विषयों पर विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान मृत्यु के कारण का चिकित्सकीय प्रमाण, मातृ मृत्यु रिपोर्टिंग, रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण, आईसीडी 10 तथा चिकित्सा अभिलेखों के सुदृढ़ीकरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस कार्यशाला का सफल संचालन आयोजन समिति के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें डॉक्टर सुनील अग्रवाल अध्यक्ष एवं डीन, डॉक्टर लोकेश त्रिपाठी, सदस्य सचिव एवं एसोसिएट नोडल अधिकारी मल्टी-डिसीप्लिनरी रिसर्च यूनिट, डॉक्टर संजय पांडे, वैज्ञानिक सहसचिव,डॉ श्वेता पांडे, वैज्ञानिक सहसचिव, स्क्रब स्टाफ विवेक चमकेल, उमेश कुमार श्रीवास्तव, पवन कुशवाहा एवं रिजवाना अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यशाला में कुल 120 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। जिसमें मेडिकल कॉलेज के फैकल्टी सदस्य, रेजीडेंट चिकित्सक एवं नर्सिंग अधिकारी शामिल रहे। प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

बड़े बकायादारों को चेतावनी

तालाबंदी व सार्वजनिक सूची जारी करने के निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

निगम आयुक्त ने 23 मार्च को जोन 01 एवं 03 की राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान दोनों जोनों की कम वसूली प्रगति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। 30 प्रतिशत से कम वसूली करने वाले वार्ड प्रभारियों को फटकार लगाते हुए सख्त निर्देश दिए गए कि सभी वार्ड प्रभारी न्यूनतम 50 प्रतिशत वसूली हर हाल में सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि जिनकी वसूली निर्धारित लक्ष्य से कम पाई जाएगी, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। निगम आयुक्त ने अगले सात दिनों के भीतर जोन 01 को 2.5 करोड़ एवं जोन 03 को 3.5 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने निर्देशित किया कि इस अवधि में व्यावसायिक बकायादारों की से बकाया राशि निगम आयुक्त ने 23 मार्च को जोन 01 एवं 03 की

राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान दोनों जोनों की कम वसूली प्रगति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। 30 प्रतिशत से कम वसूली करने वाले वार्ड प्रभारियों को फटकार लगाते हुए सख्त निर्देश दिए गए कि सभी वार्ड प्रभारी न्यूनतम 50 प्रतिशत वसूली हर हाल में सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि जिनकी वसूली निर्धारित लक्ष्य से कम पाई जाएगी, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। निगम आयुक्त ने अगले सात दिनों के भीतर जोन 01 को 2.5 करोड़ एवं जोन 03 को 3.5 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने निर्देशित किया कि इस अवधि में व्यावसायिक बकायादारों की एरियर की बकाया राशि वसूल करते हुए शून्य की जाए । उन्होंने बड़े व्यावसायिक बकायादारों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे सभी बकायादारों पर तत्काल तालाबंदी की कार्रवाई की जाए। किसी भी प्रकार की ढिलाई या विलंब को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी जोनों से 15-15 बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर उनके नाम के फ्लेक्स होर्डिंग शहर के प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएं, ताकि आमजन को भी बड़े बकायादारों की जानकारी हो सके । निगम आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन बड़े बकायादारों नोटिस जारी होने के बावजूद बकायाकर जमा नही किया है उन पर तालाबंदी एवं कुर्की की सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, जलकर प्रभारीअभिमन्यु सिंह, राजस्व उपनिरीक्षक एवं वार्ड प्रभारी मौजूद रहे।

रीवा में वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे के अवसर पर 21 मार्च को राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, रीवा द्वारा छत्रपति नगर स्थित उमंग दिशा एवं विकास डे केयर सेंटर में जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य डाउन सिंड्रोम से प्रभावित बच्चों के अधिकारों, सामाजिक समावेशन और आत्मनिर्भरता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपांकर ने कहा कि उचित मार्गदर्शन, शिक्षा और सहयोग मिलने पर डाउन सिंड्रोम से ग्रसित बच्चे भी जीवन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने समाज से ऐसे बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की अपील की।

इस दौरान छात्र-छात्राओं ने

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गीत और नृत्य पेश कर सभी का मन मोह लिया। साथ ही विशेष बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और उत्साह का संचार हुआ।

संस्थान के डायरेक्टर संजय सिंह ने बच्चों और अभिभावकों से संवाद करते हुए डाउन सिंड्रोम के कारण, लक्षण और देखभाल पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक वातावरण देने और निरंतर सहयोग करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अजय सिंह सहित कई गणमान्य लोग, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में सभी ने दिव्यांगजनों के सम्मान और अधिकारों के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

संपादकीय

'लॉकडाउन' जैसे हालात!

क्या दुनिया एक बार फिर 'लॉकडाउन जैसे हालात' की ओर बढ़ रही है? इस बार वजह कोई महामारी नहीं, बल्कि बढ़ता वैश्विक ऊर्जा संकट है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावट के कारण कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। तेल महंगा होने का असर अब आम लोगों की जिंदगी पर साफ दिखने लगा है। कई देशों में ईंधन की कमी के चलते राशनिंग शुरू हो गई है, हवाई उड़ानों में कटौती हो रही है और यात्रा महंगी होती जा रही है। ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ने से खाने-पीने की चीजों से लेकर रोजमर्रा के सामान तक सब कुछ महंगा हो रहा है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने ऊर्जा संकट से निपटने के लिए एक 10-पॉइंट प्लान जारी किया है। इसमें कम यात्रा करने, घर से काम करने, वाहनों के इस्तेमाल को सीमित करने जैसे सुझाव शामिल हैं। ये सुझाव नहीं, बल्कि सरकारों के लिए तैयार प्लान है।

ईरान जंग की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों का आना-जाना रुक गया है। दुनिया का बहुत सारा तेल इसी रास्ते से गुजरता है। अब तेल की कीमतें 112 प्रति बैरल तक पहुंच रही हैं। अमेरिका में गैस की कीमत 5 प्रति गैलन हो गई है। हर चीज महंगी हो रही है क्योंकि ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ गया है। दुकानों में सब कुछ महंगा होता जा रहा है। खाद्य सुरक्षा भी खतरे में है क्योंकि खाद्य पदार्थ बनाने के लिए जरूरी खाद भी होर्मुज से आता है। किसान ज्यादा पैसे देंगे तो खाना भी महंगा होगा। यूनाइटेड एयरलाइंस ने इस हफ्ते ही 5 प्रतिशत उड़ानें काट दी हैं। दूसरे देशों की एयरलाइंस भी उड़ानें कम कर रही हैं। आपकी हवाई यात्रा महंगी और कम हो जाएगी।

सरकारें कह रही हैं बेवजह यात्रा कम करें। यह ठीक वही भाषा है जो कोविड में इस्तेमाल हुई थी- 'केवल जरूरी काम के लिए बाहर निकलें।' ये कदम भले ही 'एनर्जी सिक्योरिटी' के नाम पर उठाए जाएं, लेकिन इनका असर कहीं न कहीं कोविड लॉकडाउन जैसा महसूस हो सकता है। हालांकि, अभी इसे पूरी तरह लॉकडाउन कहना सही नहीं होगा, लेकिन हालात जिस दिशा में बढ़ रहे हैं, उससे साफ है कि आने वाले समय में आम लोगों की दिनचर्या पर इसका असर पड़ सकता है। कई देश पहले से ही तेल राशनिंग कर रहे हैं। जापान में फ्यूल राशनिंग लागू है। एनर्जी वाउचर बांटे जा रहे हैं। दक्षिण कोरिया में भी राशनिंग चल रही है। बांग्लादेश, फिलीपींस और श्रीलंका में पेट्रोल की लंबी कतारें लग रही हैं। ऑस्ट्रेलिया सरकार कह रही है कि गैर-जरूरी यात्राएं कम करें। भारत में 80 प्रतिशत तेल होर्मुज से आता है। पाकिस्तान पहले से आर्थिक संकट में है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी कह रही है कि कोविड में यह काम आया था, वैसे ही अब एनर्जी क्राइसिस में काम आएगा। सरकारें इसे एनर्जी सिक्योरिटी कहेंगी, लॉकडाउन नहीं कहेंगी, लेकिन असर एक ही होगा- आप घर से बिना इजाजत बाहर नहीं निकल पाएंगे। कोविड में सरकारें स्वास्थ्य के नाम पर लॉकडाउन लगाती थीं। अब ऊर्जा के नाम पर वही काम हो रहा है। जापान, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, फिलीपींस पहले से राशनिंग कर चुके हैं। अमेरिका में गैस की कीमतें बढ़ी हैं। एयरलाइंस उड़ानें काट रही हैं। यह सब अभी शुरू हो चुका है। अगर तेल की कीमतें और बढ़ीं तो ट्रांसपोर्ट, उड़ानें, खेती सब महंगा हो जाएगा। सरकारें धीरे-धीरे राशनिंग और स्पीड लिमिट लगाएंगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का प्लान कई देशों में लागू होने वाला है। यह स्थायी व्यवस्था बन सकती है- डिजिटल परमिट सिस्टम, जहां आपकी गाड़ी, यात्रा और घरेलू उपकरण भी नियंत्रित होंगे।

भाजपा की पंजाब में वर्चस्व की राह आसान नहीं

गत 14 मार्च को मोगा में अपनी बहुप्रचारित रैली की शुरुआत करते हुए अमित शाह को पगड़ी पहने और सिखों का लोकप्रिय जयघोष करते देखना एक दिलचस्प नज़ारा था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर सिख सभाओं में पगड़ी पहनकर आते हैं। जो कोई भी भाजपा नेताओं को सिखों को लुभाने के वास्ते ऐसे हास्यास्पद सुझाव देता है, उसे पंजाब से जुड़े किसी भी राजनीतिक मामले पर सलाह देने से स्थाई तौर पर रोक देना चाहिए।

यह कोई राज़ नहीं है कि भाजपा में फ़ैसले शीर्ष स्तर पर लिए जाते हैं। यहां तक कि मीडिया को इंटरव्यू देने के लिए भी केंद्रीय नेतृत्व की मंज़ूरी ज़रूरी रहती है। जाहिर है, आने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव अकेले लड़ने के पार्टी के फ़ैसले का ऐलान करने से पहले अमित शाह ने सुनील जाखड़ और कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे स्थानीय पार्टी नेताओं से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था। जबकि कांग्रेस के ये दोनों पूर्व दिग्गज नेता सार्वजनिक तौर पर शिरोमणि अकाली दल के साथ चुनावी गठबंधन करने की वकालत कर रहे थे। यह रवनीत सिंह बिट्टू ही थे जिन्होंने ऐसे किसी भी गठबंधन का ज़ोरदार विरोध किया है; ऐसे में अगर कल को उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बना दिया जाए, तो कोई हैरत नहीं।

स्थानीय लोगों के साथ सार्थक संवाद के अभाव में, गृह मंत्री ने अपने भाषण में पसंदीदा अलगाव के मुद्दों में से एक का सहारा लिया-धर्मांतरण। भाजपा जिस 'बदलाव' का वादा कर रही है, यदि उसमें धर्मांतरण-विरोधी क़ानून भी शामिल है, तो चुनावी लिहाज़ से उसे कोई ख़ास सफलता नहीं मिलेगी। धर्मांतरण कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जो आम पंजाबियों को परेशान कर रहा हो। मामूली आर्थिक फ़ायदों के लिए ईसाई धर्म अपनाने वाले ग़रीब लोगों से समाज या राज्य को कोई ख़तरा नहीं है। सबको अपने साथ लेकर चलने वाला पंजाब, धार्मिक आधार पर समाज में अलगाव से चुनाव जीतने के भाजपा के एजेंडे को आसानी से स्वीकार नहीं करेगा।

आम तौर पर पंजाबी लोग अहंकारी नेताओं को सत्ता से बाहर करने के लिए

वोट देते हैं। उनकी कोई पसंदीदा पार्टी शायद ही कभी रही है। पिछले चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिली ज़बरदस्त जीत का श्रेय 'आप' के नेतृत्व से किसी बड़ी उम्मीद के बजाय, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के कुशासन के लिए उन्हें दी गई सज़ा को ज़्यादा जाता है। हो सकता है कि अब वे 'आप' से भी मोहभंग महसूस कर रहे हों, लेकिन वे इतने नाराज़ भी नहीं हैं कि उसे सत्ता से ही बेदख़ल कर दें।

सिख राजनीतिक विचारक और लेखक, अजमेर सिंह के अनुसार 'भाजपा ने हरियाणा में जाटों को अलग-थलग करके और गैर-जाटों को एकजुट करके चुनाव जीता था। पंजाब में भी वह यही रणनीति अपना सकती है-सिख जाट वोटों को बांटना और हिंदू, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग वोटों को एकजुट करना'। डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख को पद्मश्री से सम्मानित करना और उसके बाद दलित बहुल इलाके में गुरु रविदास को श्रद्धांजलि देने के लिए पीएम मोदी का डेरा दौरा, ज़ाहिर तौर पर इसी रणनीति का हिस्सा हैं।

पंजाब के कुल वोटों में दलितों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है और जालंधर, कपूरथला, नवांशहर और होशियारपुर-इन चार ज़िलों की 117 विधानसभा सीटों में से 23 सीटों के नतीजों में वे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। दलितों के बीच रविदासिया समुदाय एक बड़ा हिस्सा है। भाजपा इसी समुदाय पर दांव लगा रही है। भाजपा की इस चुनावी रणनीति को एक और चीज़ से भी मदद मिल रही है-दोषी डेरा प्रमुख राम रहीम की बार-बार पैरोल पर रिहाई। पंजाब के मालवा इलाके के कुछ हिस्सों में राम रहीम के बहुत सारे अनुयायी हैं और फिलहाल उसका पसंदीदा दल भाजपा है। ब्यास स्थित राधा स्वामी डेरा आमतौर पर राजनीतिक रूप से तटस्थ रहता है।

भाजपा की दलितों तक पहुंच बनाने की कोशिश भी शायद ही कामयाब हो जाए, क्योंकि पंजाब में अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के वोटर बंटे हुए हैं और अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों का समर्थन करते हैं। यही वजह है कि बहुजन समाज पार्टी पंजाब में ज़्यादा कामयाबी हासिल नहीं कर पाई। और इसीलिए भाजपा के लिए हरियाणा वाली सफलता को पंजाब में दोहराना मुश्किल होगा। यहां पर हालात पूरी तरह से उसके अनुकूल नहीं हैं। सिख आमतौर पर भाजपा से दूरी बनाकर रखते हैं, क्योंकि भाजपा की राजनीति भड़काऊ होती है, एजेंडा सांप्रदायिक केंद्रित होता है, और वह डेरों को संरक्षण देती है। सिखों का मुख्य सिद्धांत है 'सरबत दा भला' (सबका कल्याण)। पंजाबी स्वभाव से ही धर्मनिरपेक्ष होते हैं। उग्रवाद के चरम पर होने के समय भी, गंभीर उकसावों के बावजूद, कोई बड़ा सांप्रदायिक विभाजन नहीं हुआ था।

सिखों को लुभाने के वास्ते, भाजपा ने पगड़ीधारी कई नेताओं को पार्टी में शामिल किया है। राजनीति को धर्म से जोड़ते हुए, वह अक्सर गुरु तेग बहादुर और साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदानों को याद करती है, और करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलने के बारे में दावे करती है; लेकिन इन सब बातों का कोई खास असर नहीं होता। इसके विपरीत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का लगातार दोहराया जाने वाला यह नज़रिया कि सिख भी हिंदुओं का ही हिस्सा हैं, इस समुदाय को विशेष रूप से नाराज़ करता है। पंजाब यूनिवर्सिटी में कैंपस पर 'भगवा वर्चस्व' की कोशिशों के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे।

भाजपा की सत्ता पाने की कोशिश का समर्थन किसानों और खेतिहर मज़दूरों द्वारा करने की संभावना कम ही है। पहले ही, तीन विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के साल भर चले विरोध प्रदर्शनों ने भाजपा नेतृत्व को बैकफुट पर धकेल रखा है। तिस पर 'बीज विधेयक', 'बिजली विधेयक' और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते ने उन्हें फिर से आंदोलन की राह पर ला खड़ा किया है। मोगा में अमित शाह किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए उनसे बात कर सकते थे।

भाजपा की राष्ट्रीय आर्थिक नीतियां भी पंजाब को रास नहीं आती। इन नीतियों से आज़ादी के बाद पहली बार इतनी ज़्यादा आर्थिक असमानता देखने को मिली है, और मुट्ठी भर 'गोदी सेठों' के हाथों में अकूत संपत्ति जमा हो गई है। धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देना, समाज में भय को हवा देना, और लोगों का ध्यान भटकाने वाली राजनीति करना-ये सब भले ही व्यापक आर्थिक संकट को छिपा लें और चुनावी जीत दिला दें, लेकिन अंत में जीत हमेशा सच्चाई की ही होती है। पंजाब के दौरों के दौरान, मोदी-शाह की जोड़ी ने न तो पंजाब के मूल मुद्दों को छुआ और न ही राज्य को मौजूदा मुश्किल हालात से निकालने के लिए कोई सोची-समझी योजना पेश की। क्या भाजपा के पास पंजाब को उस 'आर्थिक संकट' से बचाने का वह दृष्टिकोण है, जिसकी कमी के लिए अतीत की सत्ताधारी पार्टियां कुख्यात रही हैं? क्या यह राज्य के सिर चढ़े उस कर्ज़ का बोझ हल्का करने में मदद कर सकती है, जो पिछले कई सालों में बेतरह ज्यादा खर्च, सोचे-समझे बिना कर्ज़ लेने और 'रेवड़ी योजनाओं' में पैसे की बर्बादी की वजह से जमा हो गया है?

तथापि सूबे में अपने अब तक के निराशाजनक प्रदर्शन और सत्ता तक पहुंचने के रास्ते में आने वाली ढेरों रुकावटों के बावजूद, इस बार भाजपा की पंजाब में पैठ बनाने की कोशिश को हल्के में नहीं लेना चाहिए। भाजपा की 'वोट जीतने वाली मशीन' की ताकत और पहुंच को कम करके नहीं आंकना चाहिए। इसके संगठनात्मक कौशल, आर्थिक ताकत, आरएसएस का समर्थन और एक 'अनुकूल' चुनाव आयोग, ये ऐसे बेजोड़ फायदे हैं जिनका कोई तोड़ नहीं है। पार्टी नेतृत्व की राजनीतिक रणनीतियां और जातिगत समीकरण अक्सर मनचाहे नतीजे देते हैं।

- **निर्मल संधू**

पानी से जुड़ा लैंगिक समानता का मुद्दा

पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता की रीढ़ भी है। खेती, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन, सब कुछ पानी पर निर्भर है। इसके बावजूद आज दुनिया गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। यह संकट केवल पानी की कमी का नहीं, बल्कि उसके असमान वितरण, प्रबंधन की विफलता और सामाजिक असंतुलन का भी है। इसी बारे में चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाता है। विश्व जल दिवस की शुरुआत 1993 में हुई थी, जब महसूस किया गया कि पानी से जुड़ी समस्याओं को केवल तकनीकी या स्थानीय मुद्दा मानकर नहीं सुलझाया जा सकता। यह एक वैश्विक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। हर वर्ष एक विशेष विषय चुनकर पानी के किसी एक पहलू पर फोकस किया जाता है, ताकि नीति निर्धारकों व नागरिकों को स्पष्ट दिशा मिल सके।

वर्ष 2026 के लिए विश्व जल दिवस की थीम है पानी और लैंगिक समानता। इसका संदेश है जहां पानी बहता है, वहां समानता बढ़ती है। जल संकट का प्रभाव सभी पर समान नहीं पड़ता। समाज के कुछ वर्ग खासकर महिलाएं व लड़कियां, पानी की कमी और खराब जल प्रबंधन से अधिक प्रभावित होती हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में घर के लिए पानी लाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूर-दूर से पानी लाना सामान्य बात

है। इस प्रक्रिया में उनका समय, ऊर्जा और स्वास्थ्य तीनों प्रभावित होते हैं। जब कोई लड़की रोज कई घंटे पानी लाने में लगाती है, तो उसका स्कूल जाना बाधित होता है। जब कोई महिला भारी बर्तन उठाकर लंबी दूरी तय करती है, तो उसका स्वास्थ्य कमजोर होता है। यहां प्रश्न केवल पानी उपलब्ध होने या न होने का नहीं है, बल्कि यह है कि पानी की कमी किसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। आंकड़े बताते हैं कि पेयजल की सुविधाओं की कमी का सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम जोर देती है कि पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महिलाओं को जल प्रबंधन, योजना निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना जरूरी है। अनुभव बताता है कि जहां स्थानीय जल समितियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, वहां जल स्रोतों का रखरखाव बेहतर हुआ और जल उपयोग अधिक जिम्मेदारी से किया गया। भारत जैसे देश में यह विषय और अधिक प्रासंगिक है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, वहीं यहां क्षेत्रीय जल असमानता बहुत गहरी है। कहीं बाढ़ की समस्या, तो कहीं सूखा। दोनों ही स्थितियों में महिलाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने भारत में हर घर नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे कई क्षेत्रों में महिलाओं का समय बचा है, जिसे वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में लगा पा रही हैं। इससे स्पष्ट है कि जब पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, तो समानता की दिशा में भी ठोस प्रगति होती है। पानी को यदि केवल संसाधन मानकर देखा जाएगा, तो समाधान भी सीमित रहेंगे। लेकिन जब पानी को मानव अधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तब नीतियां अधिक समावेशी बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता को मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी है। यानी समाज में पानी की उपलब्धता केवल सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार है, और इस अधिकार से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता के बारे में जरूरी है कि जल क्षेत्र में महिलाओं को नेतृत्व के मौके मिलें। इंजीनियरिंग, योजना निर्माण, प्रशासन और निगरानी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से जल प्रबंधन अधिक संवेदनशील व व्यावहारिक बनेगा। महिलाएं जल संकट को केवल आंकड़ों के रूप में नहीं, बल्कि रोजमर्रा जीवन के अनुभव के रूप में समझती हैं। यही अनुभव नीतियों को जमीन से जोड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 सोचने पर मजबूर करता है कि जल संकट का हल केवल पाइपलाइन, टंकी या परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है। जब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि पानी की कमी असमानता पैदा करती है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा। समानता का अर्थ सिर्फ अधिकार देना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और निर्णय में भागीदारी भी है। पानी का विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की रक्षा और समाज में जागरूकता फैलाना, ये सभी कदम समानता में योगदान देते हैं। विश्व जल दिवस 2026 का संदेश अत्यंत स्पष्ट और दूरगामी है। पानी और समानता को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जहां पानी सुरक्षित, सुलभ और समान रूप से उपलब्ध होगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मजबूत होंगे। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि जल संकट का समाधान तभी टिकाऊ होगा, जब उसमें महिलाओं और पुरुषों दोनों की समान भागीदारी होगी। जहां पानी बहता है, वहीं एक न्यायपूर्ण और समानता वाले समाज की नींव मजबूत होती है।

- **दीपक कुमार शर्मा**

चुनावों में संयम-समझदारी दिखाएं राजनेता

देश के पांच राज्यों में चुनावों की घोषणा हो गयी है। अब चुनाव-प्रचार में तेज़ी आयेगी। इस तेज़ी का एक मतलब नेताओं के भाषणों में तेज़ी आना है। वैसे भी, हमारे नेता, चाहे वे किसी भी दल वाले हों, बोलने में किसी से पीछे नहीं हैं, पर अब यह बड़बोलापन और उभर कर सामने आयेगा। हमारे नेता कभी भी, कहीं भी, कुछ भी बोल सकते हैं। ताज़ा उदाहरण असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा है। एक समाचार-चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने घोषणा कर दी है कि वर्ष 2031 तक वे असम के सभी कांग्रेसी नेताओं को अपने दल, यानी भाजपा, में समाहित कर लेंगे। यह कहकर वे बताना चाहते थे कि अगले पांच साल में, वे असम राज्य को कांग्रेस-विहीन बना देंगे। दस साल पहले कुछ ऐसा ही नारा भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी दिया था-वे देश को कांग्रेस मुक्त बनाना चाहते थे। वैसे उन्हें अधिकार है अपनी बात को अपने ढंग से समझाने का, पर सामान्य समझ यह बताती है कि इन नेताओं का लक्ष्य या उद्देश्य देश की राजनीति को एकदलीय बनाना है। हमारे जनतंत्र में ऐसा होना न तो वांछित है, न ही संभव, पर ऐसा इरादा रखनेवालों को कौन रोक सकता है? हमारा भारत बहुत बड़ा देश है। आसेतु-हिमालय यहां अनेक धर्म हैं, अनेक विचारधाराएं हैं। देश के हर नागरिक को अधिकार है अपनी बात कहने, अपनी बात समझाने का, अपनी विचारधारा के प्रचार-प्रसार का। हर नागरिक को यह भी अधिकार है कि वह दूसरे को गलत सिद्ध करने की कोशिश करे। शर्त बस यह है कि वह यह काम तार्किक ढंग से, विवेकशील तरीके से करे-- यह सब करते हुए दूसरे के इस अधिकार को भी स्वीकारे कि उसे भी अपनी बात कहने का उतना ही अधिकार है। बात सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की नहीं है, बात एक ऐसी व्यवस्था को भी स्वीकारने की है जिसे हमने अपने लिए चुना है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में अलग-अलग विचारों को रहने-पनपने के अवसर हैं। हर रंग के फूल खिलें, हर फूल की अपनी गंध हो। रंग और गंध की यह विभिन्नता हमारे बगीचे का सौंदर्य है और यह विभिन्नता हमारी ताकत भी है। बनी रहनी चाहिए यह विभिन्नता, ताकि हमारी ताकत भी बनी रहे। देश में एकता का मतलब यह है कि विभिन्न धर्मों, जातियों, वर्गों का होने के बावजूद हमारे भीतर यह अहसास बना रहे कि हम सब इस देश के नागरिक हैं, देश के हित में ही हम सबका हित निहित है। इसका मतलब यह भी है कि विभिन्न विचारधाराओं का मतलब यह नहीं है कि हम एक-दूसरे के दुश्मन हैं। हम एक-दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, एक-दूसरे को गलत मान सकते हैं, बता सकते हैं। पर हम यह कदापि नहीं चाहेंगे कि दूसरे की कीमत पर हम अपना हित साधें। हमें एकता और एकरूपता के अंतर को पहचानना होगा। एकरूपता चाहने का मतलब है दूसरे के अस्तित्व को नकारने की कोशिश करना, जबकि एकता हमें साथ मिलकर आगे बढ़ने का अवसर देती है, अर्थ समझाती है। एकता हमें बताती है कि हमारा हित एक-दूसरे के साथ होने, साथ जीने में है, जबकि एकात्मकता का अर्थ है भिन्नता का मिट जाना। किसी अस्तित्व का इस तरह का नकार आध्यात्मिक अर्थों में भले ही आकर्षक लगता हो, पर लौकिक जीवन में यह %अद्वैत' समस्याओं को जन्म देने वाला ही हो सकता है। %आओ, साथ जियें%, और %मेरे साथ जीने के लिए तुम मिट जाओ% के अंतर को हमें समझना होगा। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, किसी भी विचारधारा का हो, अच्छा भी हो सकता है, बुरा भी हो सकता है। पर वह इसलिए अच्छा या बुरा नहीं है कि वह किसी धर्म या किसी विचारधारा को मानता है। विभिन्न विचारों, धर्मों का होने के बावजूद हम साथ रह सकते हैं, यह साथ रहना ही हमारी एकता है। एक-दूसरे को अपना मानना हमारी ताकत है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां इतने सारे धर्म मिल-जुलकर रह रहे हैं, पनप रहे हैं। यह सही है कि सब धर्मों की अपनी जीवन-शैली और मान्यताएं हैं, और यह भी सही है कि हमारा संविधान हर नागरिक को अपने धर्म के प्रचार-प्रसार का अधिकार देता है। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि अपने धर्म के प्रसार के नाम पर कोई दूसरे धर्म के प्रति नफरत का भाव फैलाये। अपने धर्म की विशेषताओं को बताने-समझाने का मेरा अधिकार मुझे यह अधिकार नहीं देता कि मैं दूसरे के धर्म के प्रति अनुचित शब्दों का इस्तेमाल करूं अथवा गलत भावनाएं फैलाऊं। बहरहाल, यह एक दुखद स्थिति है कि आज देश में राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए धर्म के नाम पर अनुचित माहौल बनाया जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री ने जब राज्य के सारे कांग्रेसियों को भाजपाई बनाने वाली बात कही थी तो उन्होंने %एक को छोड़कर% शब्दों का इस्तेमाल भी किया था। उनका स्पष्ट इशारा किसी अल्पसंख्यक नेता की ओर था। धर्म-विशेष का नाम लेकर सांप्रदायिकता को हवा देने वाले इस तरह के विचार-व्यवहार के लिए जनतांत्रिक भारत में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। दुर्भाग्य की बात तो यह भी है कि धर्म के नाम पर यह वैमनस्य-भाव फैलाने की प्रवृत्ति सड़क से लेकर संसद तक फैलती दिख रही है। पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि अपने राजनीतिक लाभ के लिए हमारे कुछ सांसद इस संदर्भ में आपराधिक प्रवृत्ति का परिचय दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति घातक है, और खतरनाक भी। यह भी कम बड़ी त्रासदी नहीं है कि हमारे नेता, विधायक से लेकर मंत्री तक, खुलेआम साम्प्रदायिकता फैलाने की बातें कर रहे हैं। अलीगढ़ के एक सांसद, महाराष्ट्र के एक मंत्री और एक केंद्रीय मंत्री के हालिया बयान चौंकाने वाले भी हैं, और डरावने भी। यह प्रवृत्ति रुकनी ही चाहिए। आज, जबकि देश के पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा हो चुकी है, और प्रचार-कार्य ज़ोर पकड़ रहा है, इस बात की आवश्यकता कहीं अधिक है कि हमारे राजनेता संयम और समझदारी का परिचय दें। वैसे तो पिछले एक अर्से से हम देख रहे हैं कि हमारे नेता चुनावी मानसिकता से उबर ही नहीं पाते। कुछ कहने-करने का उनका अंदाज़ ही चुनावी हो गया है-चुनावी अर्थात? अपने विरोधी को दुश्मन की तरह देखने का अंदाज़। राजनीति का यह स्वरूप भयावह है। जनतंत्र भले ही बहुमत के शासन का एक स्वरूप हो, पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि बहुलतावाद हमारी राजनीति का मुख्य चेहरा बन जाये। फिर, बहुमत के शासन का यह अर्थ भी नहीं है कि अल्पमत के अस्तित्व को ही नकराने का अवसर मान लिया जाये। सच तो यह है भारत जैसे देश में बहुमत का यह कर्तव्य भी बनता है कि वह अल्पमत को संरक्षण दे।

- **विश्वनाथ सचदेव**

तिरछी-नजर

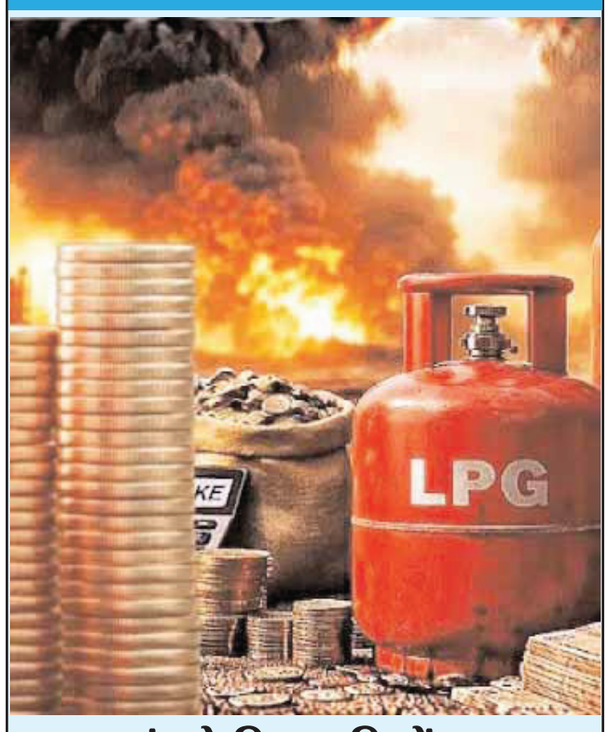

युद्ध कांड ने लिखा सिलेंडर पुराण

मैं एक सिलेंडर हूं। लोहे का बना हूं, पर मेरा भीतर का खालीपन आजकल किसी चुनाव हार चुके नेता के दफ्तर जैसा है-जहां केवल सन्नाटा और मायूसी का कब्ज़ा रहता है। इस सिलेंडर पुराण की कथा वहीं से शुरू होती है, जहां से आम आदमी की सहनशक्ति खत्म होती है। लोग कहते हैं कि लोहा मज़बूत होता है, पर कभी उस लोहे की आत्मा से पूछिए जो तपती धूप में गैस एजेंसी के बाहर पिछले छह घंटों से एक अदद नंबर आने के इंतज़ार में खड़ा है।

इस पुराण का दूसरा अध्याय युद्ध कांड है। दुनिया के किसी भी कोने में बारूद महके, यूक्रेन में बम फटे या खाड़ी देशों में किसी तानाशाह की भौंहें टेढ़ी हों-सबसे पहले मेरी सांसें फूलने लगती हैं। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का सीधा संबंध मेरी खाली कोख से है। उधर मिसाइलें चलती हैं, इधर मेरा दाम रॉकेट हो जाता है। लोग कहते हैं, युद्ध से मानवता का नुकसान होता है। मैं कहता हूं, युद्ध से मेरी फिलिंग का अपमान होता है। रूस और यूक्रेन की जंग ने मुझे यह सिखा दिया कि भूगोल की किताबें भले ही स्कूल में काम आएं, पर असली जियो-पॉलिटिक्स तो रसोई के चूल्हे पर तय होती है। जब तक वहां शांति समझौता नहीं होता, यहां मेरी रगों में गैस का संचार नहीं होता।

पुराण के पन्नों को पलटें तो स्मृति कांड आता है। मुझे याद है वो कोविड का भयावह दौर। तब मैं ऑक्सीजन का अवतार बनकर देवदूत कहला रहा था। लोग मुझे सीने से लगा रहे थे, रात-रात भर मेरे लिए जाग रहे थे, मेरी आरती उतार रहे थे। आज मैं एलपीजी के रूप में हूं, तो लोग मुझे देखते ही गालियां बकने लगते हैं। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी फिल्म में विलेन का रोल करने के बाद हीरो को मोहल्ले की दुकान पर उधार न मिले। तब मैं जीवन बचा रहा था, अब मैं कच्ची दाल पका रहा हूं। पर विडंबना देखिए, तब भी मैं लाइन में था, अब भी मैं लाइन में हूं। लगता है मेरी कुंडली में शनि नहीं, साक्षात लाइन बैठी है।

आजकल बाज़ार में कमर्शियल सन्नाटा छाया है। सरकार ने कमर्शियल सिलेंडरों पर ऐसी टेढ़ी नज़र डाली है कि बेचारे रेस्टोरेंट वाले अब चूल्हे की जगह मोमबत्ती पर तवा गर्म करने की सोच रहे हैं। ढाबों पर शांति का वास है। वह जो पनीर टिक्का की मदहोश करने वाली खुशबू आती थी, अब वहां केवल जीएसटी की कड़वाहट और महंगाई की महक आती है। कमर्शियल सिलेंडर क्या बंद हुए, शहर के आधे प्रेमियों की डिनर डेट ही कैंसिल हो गई। अब लोग अपनी प्रेमिका को रेस्तरां ले जाने के बजाय, उसे गैस की लाइन में खड़े होकर अपनी व्यथा सुनाना ज़्यादा प्रैक्टिकल समझते हैं।

इस देश में ईमान और सिलेंडर दोनों ही खाली पड़े हैं, बस उन्हें भरने की लाइनें अलग-अलग हैं। सिलेंडर तो फिर भी एजेंसी पर तीन दिन बाद मिल जाएगा, पर उस नैतिकता का क्या जो ब्लैक में भी उपलब्ध नहीं है?

- **पंकज प्रसून**

छुट्टियों के बाद ओपीडी में उमड़ी भीड़ 3931 मरीज पहुंचे जयारोग्य

■मौसमी बीमारियों के मरीज सबसे ज्यादा, पंजीयन से लेकर जांच तक के लिए परेशान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में लगातार चार दिन तक शासकीय अवकाश रहने के बाद सोमवार को जयारोग्य चिकित्सालय समूह की ओपीडी में मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। अवकाश के दौरान सिर्फ दो घंटे संचालित होने वाली ओपीडी के बाद जैसे ही नियमित व्यवस्था शुरू हुई, तो सुबह से ही अस्पताल परिसर में मरीजों का आना शुरू हो गया। स्थिति यह रही कि सुबह 7 बजे से ही हजार बिस्तर अस्पताल में मरीजों की कतारें लग गईं और कुल 3,931 मरीज उपचार के लिए पहुंचे।

हजार बिस्तर अस्पताल के पंजीयन काउंटरों की बात करें तो यहां सुबह से लंबी लाइनें देखने को मिलीं। कई मरीजों को पर्चा बनवाने के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। वहीं चिकित्सकों के कक्षों के बाहर भी भारी भीड़ रही, जिसके चलते चिकित्सकों को निर्धारित समय दो बजे के बाद तक भी मरीजों को देखना पड़ा। भीड़ अधिक होने के कारण अस्पताल में अव्यवस्थाएं भी नजर आईं। चिकित्सकों के अनुसार इस दौरान सबसे ज्यादा मरीज मौसमी बीमारियों से पीड़ित पाए गए। खासतौर पर सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या अधिक रही। इसलिए सबसे ज्यादा 582 मरीज मेडिसिन विभाग में पहुंचे, जिनमें लगभग 70 प्रतिशत मरीज मौसमी संक्रमण से ग्रसित थे। इसके बाद न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभाग में 406 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। तीसरे स्थान पर त्वचा रोग विभाग रहा, जहां 353 मरीजों ने परामर्श लिया। इनमें फंगल इंफेक्शन के मरीजों की संख्या अधिक रही।

जिला अस्पताल में पर्चा बनाने घंटों इंतजार

मुरार जिला अस्पताल में भी मरीजों की संख्या डेढ़ हजार से अधिक रही। लेकिन यहां केवल तीन पंजीयन काउंटर होने के कारण मरीजों को पर्चा बनवाने के लिए करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी पैथोलॉजी जांच को लेकर सामने आई, जहां लंबी कतारों के कारण मरीजों को देरी का सामना करना पड़ा। वहीं अल्ट्रासाउंड जांच के लिए भी लंबी वेटिंग रही, जिसके चलते कई मरीज बिना जांच कराए ही लौटने को मजबूर हो गए।

जयारोग्य के इन पांच विभागों में सबसे ज्यादा मरीज

मेडिसिन - 582
न्यूरोलॉजी/न्यूरोसर्जरी - 406
डर्मेटोलॉजी - 353
ऑर्थो - 335
गायनिक - 239

महिला को कंधे में लगी गोली पेट तक पहुंची

■हफ्तेभर बाद अल्ट्रासाउंड में खुला राज, मामला संदिग्ध

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

बिजौली थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां महिला को लगी गोली का पता एक सप्ताह बाद चला। कंधे में मामूली चोट समझकर इलाज किया जा रहा था, लेकिन जब महिला का पेट फूलने लगा और अल्ट्रासाउंड कराया गया, तब चिकित्सक भी हैरान रह गए कि महिला के पेट में गोली फंसी हुई है।

जानकारी के अनुसार ग्राम खेरिया निवासी रामायणी बाई पत्नी बल्लू पाल (51) 15 मार्च को घर में काम कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें कंधे में चोट लगी और खून निकलने पर परिजन छह नम्बर मुरार स्थित निजी चिकित्सालय लेकर पहुंचे।

चिकित्सकों ने इसे सामान्य चोट मानकर इलाज शुरू कर दिया, लेकिन एक सप्ताह तक उपचार के बावजूद हालत में सुधार नहीं हुआ। रविवार को पेट फूलने पर चिकित्सकों ने जब उसका अल्ट्रासाउंड कराया तब पता चला कि गोली कंधे से होते हुए धीरे-धीरे पसलियों को पार कर पेट के निचले हिस्से तक पहुंच गई है। यह खुलासा होते ही अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला से पूछताछ की। महिला ने बताया कि वह घर में कंडे थाप रही थी, तभी अचानक कंधे में दर्द हुआ और खून निकलने लगा। हांलाकि गोली लगने की घटना कैसे हुई, इस बारे में वह कुछ स्पष्ट नहीं बता सकी।

मामले में बिजौली थाना प्रभारी मिर्जा आसिफ बेग ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्षेत्र में गोली किसने चलाई और महिला को यह कैसे लगी।

चिकित्सकों की लापरवाही आई सामने

प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया कि चिकित्सकों को छह दिन तक गोली लगने का अंदाजा ही नहीं हुआ। बाद में अल्ट्रासाउंट से स्थिति स्पष्ट हुई, जिससे इलाज में लापरवाही भी उजागर हुई है। फिलहाल पुलिस ने महिला की शिकायत पर धारा 110 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला की हालत भी नाजुक बताई जा रही है।

बिना नम्बर प्लेट व ओवरलोड वाहनों पर सख्ती, अवैध उत्खनन रोकने के निर्देश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में अवैध खनिज उत्खनन और बिना नम्बर प्लेट के परिवहन पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधीश रुचिका चौहान ने खनिज विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में कहा कि बिना नम्बर प्लेट के खनिज परिवहन करते पाए जाने वाले वाहनों के खिलाफ परिवहन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए।

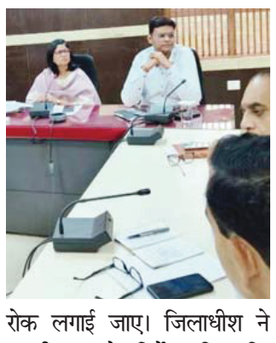

साथ ही नम्बर प्लेट से नम्बर मिटाने की प्रवृत्ति पर भी प्रभावी रोक लगाई जाए। जिलाधीश ने एसडीएम को निर्देश दिए कि अवैध उत्खनन के खिलाफ अभियान को तेज करें। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को ई-चेकपोस्ट के माध्यम से ऐसे वाहनों की निगरानी कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही ओवरलोड वाहनों पर भी कार्रवाई करने और वाहनों पर रेडियम लगाने को सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में विशेष रूप से सोनचिरैया अभ्यारण्य क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधीश ने कहा कि इस क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

एसएएफ के आवास में पकड़ा जुआ का अड्डा, दो पुलिसकर्मी निलंबित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सरकारी आवास में ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाते हुए पुलिस ने जुआरियों को पकड़ लिया। पकड़े गए जुआरियों में दो आरक्षक भी शामिल हैं। मास्टरमाइंड आरक्षक काफी समय से जुए का फड़ लगाकर लाखों का दांव लगवा रहा था। पुलिस को मौके से तीन लाख रुपए के करीब नकदी सहित अन्य माल मिला है। कमांडेट राकेश सगर ने दोनों आरक्षकों को निलंबित कर दिया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य अनु बेनीवाल ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कम्पू थाना क्षेत्र स्थित द्वितीय वाहिनी के शासकीय आवास में जुए का फड़ जमा हुआ है। सूचना मिलने पर अपराध शाखा और कम्पू थाना की टीम मौके पर पहुंची। शासकीय आवास में जब पुलिस ने दबिश दी तो वहां पर एक दर्जन के करीब जुआरी हार-जीत का दांव लगा रहे थे। जुआरियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। पुलिस ने मौके से जुआ खिलाने वाला द्वितीय वाहिनी का आरक्षक धीरेन्द्र पुत्र राजबहादुर सिंह चौहान, मलखान पुत्र मेवाराम जादौन निवासी दानाओली साठे की गोठ, पुरुषोत्तम पुत्र प्रहलाद कुशवाह निवासी बुलबुल का पुरा घासमंडी, अशोक पुत्र लक्ष्मीनारायण कुशवाह निवासी सैनिक कॉलोनी, सतेन्द्र उर्फ संदीप पुत्र रामस्वरुप गुप्ता निवासी सरस्वती नगर, सुनील पुत्र बृजराज तोमर निवासी सैनिक कॉलोनी,

राजेश पुत्र मुरारीलाल गुप्ता निवासी सरस्वती नगर, राहुल पुत्र मंगलसिंह यादव निवासी हथियापौर घासमंडी, भूरा पुत्र सुल्तानसिंह किरार निवासी न्यू हाउसिंग कॉलोनी मुरैना हाल सागरताल चौराहा और सचिन पुत्र शिवसिंह कोसिया निवासी बदनापुरा पुरानी छावनी को पकड़ा। पुलिस ने जुआरियों के पास से 2 लाख 90 हजार रुपए और नौ मोबाइल बरामद किए। बताया गया है कि आरक्षक धीरेन्द्र चौहान व मलखान द्वितीय वाहिनी में आरक्षक है। धीरेन्द्र ही जुए की फड़ लगवाता है। द्वितीय वाहिनी कमांडेट राकेश सगर ने दोनों आरक्षकों को निलंबित कर दिया है। कम्पू थाना पुलिस ने ग्यारह जुआरियों पर जुआ एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

प्रशिक्षण महाअभियान को बूथ तक ले जाने की रणनीति

ग्वालियर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर महानगर की जिला स्तरीय वर्चुअल बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और प्रशिक्षण अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अभियान की सफलता के लिए संगठनात्मक समन्वय, सक्रिय भागीदारी और समयबद्ध कार्ययोजना जरूरी है। बैठक में अभियान के जिला संयोजक विनय जैन, जिला महामंत्री राजू पलैया, धर्मेंद्र तोमर चिब्दूज्, जवाहर प्रजापति सहित जिला टोली के सदस्य मौजूद रहे। संचालन आईटी संयोजक गौरव वाजपेयी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन रेशु राजावत ने किया।

बैंक ऑडिट सेमिनार में सीए विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक ज्ञान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सीए विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने के उद्देश्य से द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की सिकासा ग्वालियर शाखा द्वारा सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में 'बैंक ऑडिट' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर बैंक ऑडिट की बारीकियों को समझा।

कार्यक्रम की शुरुआत सिकासा चेयरमैन सीए नागेंद्र सिंह कुशवाह के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी सेमिनार विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ते हैं, जो उनके कॅरियर निर्माण में बेहद उपयोगी साबित होते हैं। मुख्य वक्ता सीए संदीप अग्रवाल ने बैंक ऑडिट के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैंक ऑडिट केवल दस्तावेजों की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें रिस्क बेस्ड और एनालिटिकल अप्रोच अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि लोन अकाउंट्स की जांच करते समय केवाईसी, सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट्स और एसेट क्लासिफिकेशन की सटीकता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वहीं कैश वाउचर वेरिफिकेशन के दौरान दैनिक कैश बैलेंस का मिलान और संदिग्ध लेनदेन की गहन जांच जरूरी होती है। ब्रांच के वाइस चेयरमैन सीए पंकज शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को पेशेवर रूप से मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। संचालन निर्वाणी जैन ने किया। इस अवसर पर ग्वालियर ब्रांच की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य निधि अग्रवाल विवेक कुमार जैन, नगेंद्र सिंह कुशवाह, मयूर गर्ग आदि उपस्थित रहे।

डॉ. जमाल ने 400 मरीजों का किया परीक्षण

ग्वालियर। जीबी पंत अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ युसूफ जमाल ने सोमवार को कै माधवराव सिंधिया स्मृति फाउंडेशन द्वारा शिवपुरी में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 400 मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया। इसके लिए वह दिल्ली से विशेष रूप से आए थे। इस अवसर पर महान आर्यमन सिंधिया,संजीव अग्रवाल कुक्कू भी मौजूद रहे।

थाटीपुर योजना में प्रशासनिक रोड़ा एक भवन के कारण 96 आवास अटके

थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना के कब्जे को हटाने कार्यपालन यंत्री ने जिलाधीश का लिखा पत्र

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण प्रोजेक्ट में एक गंभीर प्रशासनिक और कानूनी अड़चन सामने आई है। मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल (हाउसिंग बोर्ड) के कार्यपालन यंत्री ने जिलाधीश को पत्र लिखकर बताया है कि ओल्ड थाटीपुर स्थित अजाक्स कार्यालय भवन क्रमांक एफ-6 खाली न होने के कारण परियोजना का अहम हिस्सा रुका हुआ है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 368 आवासों के साथ स्कूल, कम्युनिटी सेंटर और ऑफिस कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। अधिकांश कार्य अंतिम चरण में हैं, लेकिन जी-3 और जी-6 टॉवर के तहत बनने वाले 96 आवासों का निर्माण शुरू ही नहीं हो पाया है। लोक निर्माण विभाग ने 4 फरवरी 2021 को इस भवन को जर्जर और अनुपयोगी घोषित कर दिया था। इसके बाद 17 जुलाई 2025 को बेदखली आदेश भी जारी किया गया। साथ ही कार्यालय को रेसकोर्स रोड स्थित वैकल्पिक भवन में शिफ्ट कर दिया गया, जहां वर्तमान में संचालन हो रहा है। इसके बावजूद पुराना भवन खाली नहीं कराया जा सका है।

मामला उच्च न्यायालय के आदेशों से भी जुड़ा है। न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनहित के विकास कार्य बाधित नहीं होने चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन बलपूर्वक कार्रवाई कर सकता है। इसके बावजूद देरी सवाल खड़े कर रही हैं। इस स्थिति से शासन को राजस्व हानि हो रही है और जर्जर भवन कभी भी गिरने से हादसे का खतरा बना हुआ है। साथ ही परियोजना की लागत बढ़ने और प्रगति रिपोर्ट प्रभावित होने की आशंका है। कार्यपालन यंत्री ने जिलाधीश से मांग की है कि भवन को तत्काल खाली कराया जाए, किराया वसूला जाए और निर्माण कार्य में आ रही बाधा को दूर किया जाए, ताकि परियोजना समय पर पूरी हो सके।

एथलेटिक्स व क्रिकेट में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

ग्वालियर। माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एमआईटीएस) में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता का समापन सोमवार को हुआ। कार्यक्रम एथलेटिक्स मीट, क्रिकेट व वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स में 100 व 200 मीटर दौड़ में अंकित कुमार, रिया सिंह और योगेश्वरी जाटव विजेता रहे। वहीं डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो व शॉट पुट में युवराज और उर्वी पांडे ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया। 400 व 800 मीटर दौड़ में आदित्य तोमर, साक्षी जाटव और प्रज्वल ने बाजी मारी। 400 मीटर रिले दौड़ में ईसी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि एआई टीम दूसरे और एमएसडी टीम तीसरे स्थान पर रही। इंटर डिपार्टमेंट क्रिकेट टूर्नामेंट में मैकेनिकल टीम विजेता और मैकेनिकल-आईओटी संयुक्त टीम उप विजेता रही। फाइनल में एमई टीम ने 7 ओवर में लक्ष्य हासिल कर 8 विकेट से जीत दर्ज की, जिसमें नितेश कुशवाहा ने अहम भूमिका निभाई।

विश्व क्षय रोग दिवस आजः जर्जर भवन में संचालित एमडीआर टीबी अस्पताल बना खतरा

क्षय रोग मुक्त भारत का लक्ष्य दूर, बदहाल व्यवस्थाओं के बीच इलाज को मजबूर मरीज

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

एक ओर केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 तक देश को क्षय रोग (टीबी) मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया था, वहीं ग्वालियर जिले में हालात इस लक्ष्य से उलट नजर आ रहे हैं। यहां हर साल टीबी मरीजों की संख्या बढ़ रही है और गंभीर मरीज अव्यवस्थाओं के बीच इलाज कराने को मजबूर हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण माधव डिस्पेंसरी रोड स्थित एमडीआर टीबी अस्पताल है, जहां मरीजों की जान जोखिम में डालकर उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2016 में गंभीर टीबी मरीजों के इलाज के लिए माधव डिस्पेंसरी के सामने पीएचओटीसी के पुराने भवन में एमडीआर टीबी अस्पताल शुरू किया गया था। हालांकि लोक निर्माण विभाग इस भवन को पहले ही जर्जर और कंडम घोषित कर चुका था। इसके बावजूद यहां मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। भवन की स्थिति इतनी खराब है कि कई बार छत और दीवारों के हिस्से गिरने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। दीवारों और छतों में गहरी दरारें भी पड़ चुकी हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अस्पताल के चिकित्सकों ने भी पूर्व में अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर भवन की जर्जर स्थिति पर चिंता जताई थी और मरीजों व स्टाफ की सुरक्षा को लेकर खतरे की बात कही थी। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जबकि जिले में टीबी मरीजों के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। वर्ष 2023 में 11,927 मरीज सामने आए, 2024 में यह संख्या बढ़कर 11,981 हो गई। वर्ष 2025 में 9,509 मरीज दर्ज किए गए और वर्ष 2026 में अब तक डेढ़ हजार से अधिक मरीज पंजीकृत हो चुके हैं।

निक्षय मित्र योजना से मिल रही मदद

टीबी मरीजों में कुपोषण एक बड़ी समस्या है, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए शासन ने निक्षय मित्र योजना शुरू की है। इस योजना के तहत सामाजिक संगठन और व्यक्ति टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण आहार उपलब्ध कराते हैं। ग्वालियर जिले में वर्तमान में 1657 निक्षय मित्र बनाए जा चुके हैं, जो मरीजों को छह महीने से तीन वर्ष तक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

जिले में आठ वर्षों के टीबी मरीजों के आंकड़े

वर्ष	क्षय रोगी
2018	7753
2019	11812
2020	8469
2021	9536
2022	11684
2023	11927
2024	11981
2025	9509

आंगनवाड़ी के बच्चों को मिलेगा विद्यारंभ प्रमाण-पत्र, आज बाल चौपाल

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। इसी तारतम्य में 24 मार्च को सभी आंगनवाड़ियों में बाल चौपाल आयोजित कर समारोहपूर्वक प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे, जिससे बच्चों को औपचारिक स्कूली शिक्षा की ओर प्रेरित किया जा सके। कार्यक्रम के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों और अभिभावकों को पीले चावल देकर आमंत्रित किया गया है। शहरी क्षेत्र में मीडिया रिसोर्स सेंटर मुरार सहित जिलेभर के केंद्रों पर आयोजन होंगे। यह पहल केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप की जा रही है, जिसके तहत बच्चों को शैक्षणिक जीवन की औपचारिक शुरुआत की मान्यता दी जाएगी। इससे बच्चों का अनौपचारिक से औपचारिक शिक्षा में सहज संक्रमण सुनिश्चित होगा, अभिभावकों में जागरूकता बढ़ेगी और आंगनवाड़ी केंद्रों पर विश्वास मजबूत होगा। साथ ही भविष्य में स्कूल ड्रॉपआउट दर कम करने में भी मदद मिलेगी।

महावीर स्वामी ईश्वर का अद्भुत अवतार

मानव समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने वाले महापुरुष भगवान महावीर का जन्म ईसा से 599 वर्ष पूर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज 'श्री सिद्धार्थ' और माता 'त्रिशिला देवी' के यहां हुआ था। जिस कारण इस दिन जैन श्रद्धालु इस पावन दिवस को 'महावीर जयन्ती' के रूप में परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास और श्रद्धाभक्ति पूर्वक मनाते हैं। बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था। जैन धर्मियों का मानना है कि वर्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामान माना गया, जिस कारण उनको महावीर कहा गया और उनके अनुयायी जैन कहलाए।

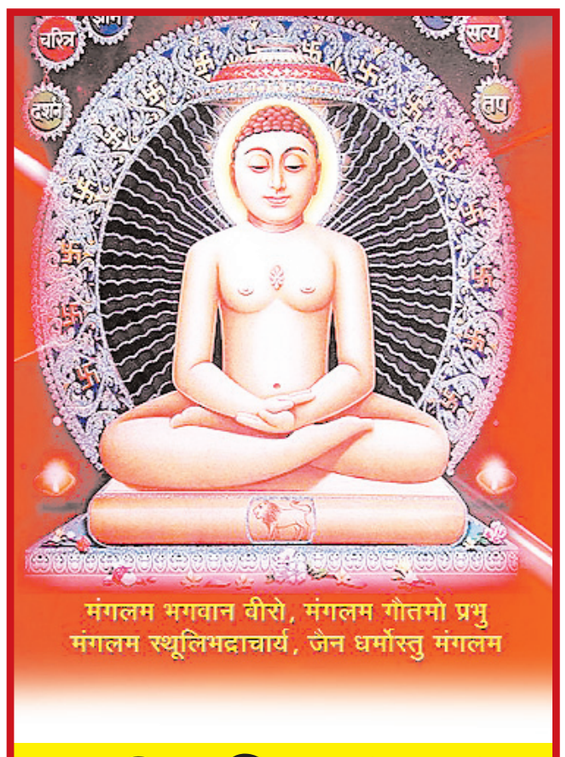

सभी इन्द्रियों को जीतने के कारण जितेन्द्रिय कहलाए स्वामी

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी माने जाते हैं. महावीर का जन्म 599 वर्ष पहले चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज श्री सिद्धार्थ और माता त्रिशिला रानी देवी के यहां हुआ था.वर्धमान महावीर का जन्म एक क्षत्रिय राजकुमार के रूप में एक राज परिवार में हुआ था. उनका जन्म प्राचीन भारत के वैशाली राज्य के गांव कुंडग्राम में हुआ था. भगवान महावीर कई नामों से जानें जाते हैं जिनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति और साहसी आदि मुख्य नाम थे. भगवान महावीर का जन्म एक साधारण बालक के रूप में हुआ था इनकी कड़ी तपस्या की वजह से ही इनका जीवन अनूठा बन गया. ऐसा माना जाता है कि महावीर स्वामी का काफी अन्तर्मुखी स्वभाव के थे.शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी लेकिन माता-पिता की इच्छा की वजह से उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ परिणय सूत्र में बंध गए और जिससे उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया. तीस साल की उम्र में उन्होंने घर-बार छोड़ दिया और कठोर तपस्या की वजह से कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया.महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थाई आधार दिया.महावीर स्वामी ने श्रद्धा एवं विश्वास की वजह से जैन धर्म की फिर से प्रतिष्ठा स्थापित की. उन्होंने 'अहिंसा परमोधर्म' के सिद्धांत और लोक कल्याण का मार्ग अपना कर विश्व को शांति का सन्देश दिया.आधुनिक काल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरी दुनिया को अहिंसा के जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए आह्वान किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम और सबसे अधिक जोर महावीर स्वामी ने ही दिया है.इस आदर्श के अनुसार, हमें किसी भी रूप, मनसा-वाचा-कर्मणा, में हिंसा नहीं करनी चाहिए.जैन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक वर्द्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए.इन्द्रियों को जीतने के कारण वे जितेन्द्रिय कहे जाते हैं.यह कठिन तप पराक्रम के समान माना गया, इसलिए वे 'महावीर' कहलाए.उन्हें वीर,अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है. भगवान महावीर ने अपने उपदेशों से इस समाज का कल्याण किया है.उनकी शिक्षाओं में ये बातें प्रमुख थीं कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो.इसके अलावा उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति तथा छह आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया.जो जैन धर्म के प्रमुख आधार माने गए.पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर ने आखिरी सांस ली.

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। उनके सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय आदि उपदेश एक खुली किताब की तरह है। जो सत्य परंतु आम आदमी को कठिन प्रतीत होते हैं। कहने को तो वे एक राजा के परिवार में पैदा हुए थे। उनके घर-परिवार में ऐश्वर्य, धन-संपदा की कोई कमी नहीं थी। जिसका वे मनचाहा उपभोग भी कर सकते थे। परंतु युवावस्था में कदम रखते ही उन्होंने संसार की माया-मोह, सुख-ऐश्वर्य और राज्य को छोड़कर दिल दहला देने वाली यातनाओं को सहन किया और सारी सुविधाओं को त्याग कर वे नंगे पैर पैदल यात्रा करते रहे।

पिता ने दिया वर्द्धमान का नाम

जन्मोत्सव के बाद ज्योतिषों द्वारा चक्रवर्ति राजा बनने की घोषणा करने के बाद उनके कई किस्से इस बात को सच साबित करते पाए गए। उनके जन्म से पूर्व ही कुंडलपुर के वैभव और संपन्नता की ख्याति दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती गई। अत: महाराजा सिद्धार्थ ने उनका जन्म नाम 'वर्द्धमान' रख दिया। चौबीस घंटे लगने वाली दर्शनार्थियों की भीड़ ने राज-पाट की सारी मयार्दाएँ ढहा दी। इस प्रकार वर्द्धमान ने लोगों में यह संदेश प्रेरित किया कि उनके घर के द्वार सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे। वर्द्धमान ने यह सिद्ध कर दिखाया।

वीर नाम की प्राप्ति

जैसे-जैसे महावीर बड़े होते जा रहे थे वैसे-वैसे उनके गुणों में बढ़ोतरी हो रही थी। एक बार जब सुमेरू पर्वत पर देवराज इंद्र उनका जलाभिषेक कर रहे थे। तब कहीं बालक बह न जाए इस बात से भयभीत होकर इंद्रदेव ने उनका अभिषेक रुकवा दिया। इंद्र के मन की बात भाँप कर उन्होंने अपने अँगूठे के द्वारा सुमेरू पर्वत को दबा कर कंपायमान कर दिया। यह देखकर देवराज इंद्र ने उनकी शक्ति का अनुमान लगाकर उन्हें 'वीर' के नाम से संबोधित करना शुरू कर दिया।

दो मुनियों ने दिया भेंट सन्मति का नाम

बाल्यकाल में महावीर महल के आँगन में खेल रहे थे। तभी आकाशमार्ग से संजय मुनि और विजय मुनि का निकलना हुआ। दोनों इस बात की तोड़ निकालने में लगे थे कि सत्य और असत्य क्या है? उन्होंने जमीन की ओर देखा तो नीचे महल के प्राँगण में खेल रहे दिव्य शक्तियुक्त अद्भुत बालक को देखकर वे नीचे आएँ और सत्य के साक्षात दर्शन करके उनके मन की शंकाओं का समाधान हो गया है। इन दो मुनियों ने उन्हें 'सन्मति' का नाम दिया और खुद भी उन्हें उसी नाम से पुकारने लगे।

पराक्रम की चर्चा ने बनाया अतिवीर

युवावस्था में लुका-छिपी के खेल के दौरान कुछ साथियों को एक बड़ा फनधारी साँप दिखाई दिया। जिसे देखकर सभी साथी डर से काँपने लगे, कुछ वहाँ से भाग गए। लेकिन वर्द्धमान महावीर वहाँ से हिले तक नहीं। उनकी शूर-वीरता देखकर साँप उनके पास आया तो महावीर तुरंत साँप के फन पर जा बैठे। उनके वजन से घबराकर साँप बने संगमदेव ने तत्काल सुंदर देव का रूप धारण किया और उनके सामने उपस्थित हो गए। उन्होंने वर्द्धमान से कहा- स्वर्ग लोक में आपके पराक्रम की चर्चा सुनकर ही मैं आपकी परीक्षा लेने आया था। आप मुझे क्षमा करें। आप तो वीरों के भी वीर 'अतिवीर' है। इन चारों नामों को सुशोभित करने वाले महावीर स्वामी ने संसार में बढ़ती हिंसक सोच, अमानवीयता को शांत करने के लिए अहिंसा के उपदेश प्रसारित किए। उनके उपदेशों को जानने-समझने के लिए कोई विशेष प्रयास की जरूरत नहीं। उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।

ऐसे महान चौबीस तीर्थंकरों के अंतिम तीर्थंकर महावीर के जन्मदिवस प्रति वर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्मावलंबी प्रात: काल प्रभातफेरी निकालते हैं। उसके बाद भव्य जुलूस के साथ पालकी यात्रा निकालने के तत्पश्चात स्वर्ण एवं रजत कलशों से महावीर स्वामी का अभिषेक किया जाता है तथा शिखरों पर ध्वजा चढ़ाई जाती है। जैन समाज द्वारा दिन भर अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। 'जियो और जीने दो' का महान संदेश विश्व भर में फैलाने वाले ऐसे वर्द्धमान महावीर की जय हो। जय महावीर.। जय जिनेंद्र!

माता त्रिशला के सोलह स्वप्न

हाथी- हाथी जिस तरह शत्रु सेना को नष्ट करता है, वैसे ही यह कर्मरूपी शत्रु का नाश करेगा।

चंद्रमा- जैसे चंद्रमा शीतलता प्रदान करता है, वैसे ही यह सबके लिए शीतलता व सुरम्यतादायक होगा।

वृषभ- वृषभ जैसे भार वहन करता है, वैसे ही यह बालक संयम का भार वहन करेगा।

केसरी सिंह- कामरूपी गज को नष्ट करने में केसरी सिंह जैसा बल दिखाएगा।

लक्ष्मी- अनंत ज्ञान दर्शन रूप लक्ष्मी को यह बालक प्राप्त करेगा।

पुष्पमाला- सुमनमाला की तरह सबको प्रिय कल्याणकारी होगा।

सूर्य- मिथ्यात्व के तम को दूर कर रत्नत्रयी का प्रकाश करेगा।

कुंभ कलश- अनेक निधियों का स्वामी होगा।

दो मछलियाँ- महाआनंद का दाता, दुखहर्ता

पद्म सरोवर- कमलाकार सिंहासन पर बैठकर देशना करेगा।

क्षीर समुद्र- सागर जैसी असीम गहराई का वह धारक होगा।

रत्नजड़ित सिंहासन- प्रजा का हितचिंतक पुत्र।

देव विमान- असंख्य देव-देवियों की पूज्यता प्राप्त करेगा।

नागों के राजा नागेंद्र का विमान- त्रिकालदर्शी पुत्र होगा।

अहिंसा परमोधर्म

वर्तमान युग में महात्मा गाँधी ने सारी मनुष्य जाति को जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए अहवाहन किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम एवं सबसे अधिक जैन तीर्थंकर पार्श्व और महावीर ने ही दिया है। महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन , कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता हैं। यह ज्ञानार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। चोरी कभी नहीं करनी चाहिए। चोरी भी मन , वचन एवम कर्म से होती हैं अथवा किसी एक से भी करना, महापाप हैं। महावीर हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देते हैं। उनकी जयंती के दिन हमें यह प्रतिज्ञा करने चाहिए कि उनकी बताई शिक्षा में से किसी एक शिक्षा को अपनायें। इससे हमारे में नैतिक गुणों का विकास होगा, साथ ही साथ अच्छे कर्म भी होंगे। भगवान महावीर ने दुनिया को बहुत ही अच्छे संदेश दिए। उनका सबसे प्रिय संदेश था अहिंसा के मार्ग पर चलने का। भगवान महावीर के मूल मंत्र 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलकर ही हम देश, दुनिया को बचा सकते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें करुणामय एवं निस्वार्थ सादगीपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती हैं। यह त्योहार सच्चाई, अहिंसा तथा सौहार्द के प्रति सभी की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का काम करे।

जैन धर्म ग्रंथ पर आधारित धर्म नहीं

जैन धर्म ग्रंथ पर आधारित धर्म नहीं है। भगवान महावीर ने सिर्फ प्रवचन ही दिए। उन्होंने कोई ग्रंथ नहीं रचा, लेकिन बाद में उनके गणधरों ने, प्रमुख शिष्यों ने उनके अमृत वचन और प्रवचनों का संग्रह कर लिया। यह संग्रह मूलत: प्राकृत भाषा में है, विशेष रूप से मागधी में।भगवान महावीर से पूर्व के जैन धार्मिक साहित्य को महावीर के शिष्य गौतम ने संकलित किया था जिसे 'पूर्व' माना जाता है। इस तरह चौदह पूर्वों का उल्लेख मिलता है। जैन धर्म के सबसे पुराने आगम ग्रंथ 46 माने जाते हैं। इनका वर्गीकरण इस प्रकार किया गया है। समस्त आगम ग्रंथो को चार भागो मैं बाँटा गया है :- 1. प्रथमानुयोग 2.करनानुयोग 3.चरर्नानुयोग 4.द्रव्यानुयोग। 12 अंगग्रंथ - 1.आचार, 2.सूत्रकृत, 3.स्थान, 4. समवाय 5.भगवती, 6.ज्ञाता धर्मकथा, 7.उपासकदशा, 8.अन्तकृतदशा, 9.अनुत्तर उपपातिकदशा, 10.प्रश्न-व्याकरण, 11.विपाक और 12.दृष्टिवाद। इनमें 11 अंग तो मिलते हैं, बारहवाँ दृष्टिवाद अंग नहीं मिलता। 12 उपांगग्रंथ - 1.औपपातिक, 2.राजप्रश्नीय, 3. जीवाभिगम, 4.प्रज्ञापना, 5.जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति 6.चंद्र प्रज्ञप्ति, 7.सूर्य प्रज्ञप्ति, 8.निरयावली या कल्पिक, 9. कल्पावतसिका, 10.पुष्पिका, 11.पुष्पचूड़ा और 12. वृष्णिदशा।

10 प्रकीर्णग्रंथ - 1.चतु:शरण, 2.संस्तार, 3.आतुर प्रत्याख्यान, 4.भक्तपरिज्ञा, 5.तण्डुल वैतालिक, 6. चंदाविथ्थय, 7.देवेन्द्रस्तव, 8.गणितविद्या, 9. महाप्रत्याख्यान 10.वीरस्तव।

6 छेदग्रंथ - 1.निशीथ, 2.महानिशीथ, 3.व्यवहार, 4. दशशतस्कंध, 5.बृहत्कल्प और 6.पञ्चकल्प।

4 मूलसूत्र - 1.उत्तराध्ययन, 2.आवश्यक, 3. दशवैकालिक और 4.पिण्डनिर्य्युक्ति।

2 स्वतंत्र ग्रंथ - 1.अनुयोग द्वार 2.नन्दी द्वार।

जैन पुराणों का परिचय : जैन परम्परा में 63 शलाका-महापुरुष माने गए हैं। पुराणों में इनकी कथाएँ तथा धर्म का वर्णन आदि है। प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश तथा अन्य देशी भाषाओं में अनेक पुराणों की रचना हुई है। दोनों सम्प्रदायों का पुराण-साहित्य विपुल परिमाण में उपलब्ध है। इनमें भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण सामग्री मिलती है।

मुख्य पुराण हैं - जिनसेन का 'आदिपुराण' और जिनसेन (द्वि.) का 'अरिष्टनेमि' (हरिवंश) पुराण, रविषेण का 'पद्मपुराण' और गुणभद्र का 'उत्तरपुराण'। प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं में भी ये पुराण उपलब्ध हैं। भारत की संस्कृति, परम्परा, दार्शनिक विचार, भाषा, शैली आदि की दृष्टि से ये पुराण बहुत महत्वपूर्ण हैं।

अन्य ग्रंथ - षट्खण्डागम, धवला टीका, महाधवला टीका, कसायपाहुड, जयधवला टीका, समयसार, योगसार प्रवचनसार, पञ्चास्तिकायसार, बारसाणुवेक्खा, आप्तमीमांसा, अष्टशती टीका, अष्टसहस्री टीका, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, तत्त्वार्थसूत्र, तत्त्वार्थराजवार्तिक टीका, तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक टीका, समाधितन्त्र, इष्टोपदेश, भगवती आराधना, मूलाचार, गोम्मटसार, द्रव्यसग्रह, अकलकग्रन्थत्रयी, लघीयस्त्रयी, न्यायकुमुदचन्द्र टीका, प्रमाणग्रह, न्यायविनिश्चयविवरण, सिद्धिविनिश्चयविवरण, परीक्षामुख, प्रमेयकमलमार्तण्ड टीका, पुरुषार्थसिद्ध्युपाय भद्रबाहु संहिता आदि।

साहिबजादा फरहान फरवरी माह के पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गये

अरुंधति को फरवरी माह का महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार मिला

दुबई

भारत की स्टार क्रिकेटर अरुंधति रेड्डी को फरवरी महीने के आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के पुरस्कार से नवाजा गया है। अरुंधति को यह पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया में भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है। यह मासिक पुरस्कार रेड्डी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पुरस्कार है।इस पुरस्कार की रेस में उन्होंने श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा और पाकिस्तान की फातिमा सना को पीछे छोड़ा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में रेड्डी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उन्होंने 10.87 की औसत से कुल आठ विकेट लिए और 7.25 की इकॉनमी रेट बनाए रखी। इस दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने सिडनी में खेले गए पहले ही मैच से अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया था। उस मैच में उन्होंने अपने करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए थे, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार भी मिला था। 28 साल की इस गेंदबाज़ ने अगले दो मैचों में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने कैनबरा में 30 रन देकर 2 विकेट और एडिलेड में खेले गए सीरीज के निर्णायक मैच में 35 रन देकर दो विकेट लिए। भारत की इस ऐतिहासिक जीत में रेड्डी के योगदान की भूमिका निर्णायक रही। भारत ने यह सीरीज़ 2-1 से अपने नाम की। जो 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टी-20 सीरीज जीत थी।

इस सम्मान के मेरे लिए बहुत मायनेः रेड्डी

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सम्मान है, और यह और भी खास इसलिए है क्योंकि मुझे ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीतने में योगदान देने का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया को उसके अपने घर में हराना कभी आसान नहीं होता, और इसी वजह से यह पुरस्कार मेरे लिए और भी ज़्यादा मायने रखता है।इस सीरीज़ जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है, क्योंकि हम इस गर्मी में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं। हमारी टीम काफी संतुलित है। और मुझे पूरा यकीन है कि हम इस टूर्नामेंट में एक ऐसी टीम साबित होंगे जिस पर सबकी नज़रें टिकी होंगी।

पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान फरवरी माह के पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गये

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को हाल ही में हुए टी-20विश्वकप में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत फरवरी महीने के आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार मिला है। फरहान ने इस वैश्विक टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी ने सात मैचों (छह पारियों) में 76.60 की औसत से कुल 383 रन बनाए, जिसमें दो शतक और उतने ही अर्धशतक शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 160.25 था और उन्होंने टी-20 विश्व कप के किसी एक संस्करण में सबसे ज़्यादा रन बनाने का विराट कोहली का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड भी तोड़ था। फरहान को पहली बार यह मासिक पुरस्कार मिला है। इसके साथ ही, नवंबर 2024 में तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के बाद, यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह पाकिस्तान के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। पुरस्कार मिलने को लेकर फरहान ने कहा, आईसीसी का यह पुरस्कार जीतना एक अविश्वसनीय एहसास है, खासकर वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर किए गए प्रदर्शन के लिए, जहां दुनिया भर के प्रशंसक हर पल पर नजर रखते हैं। यही बात इसे और भी बेहद खास बनाती है। यह सचमुच एक ऐसा टूर्नामेंट था जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा, और मैं आने वाली सीरीज़ और प्रतियोगिताओं में भी इसी लय को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से दृढ़ हूं। मैं अपने साथियों का तहे दिल से शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने लगातार मेरा साथ दिया और मुझ पर भरोसा जताया - उनके बिना यह सब मुमकिन नहीं हो पाता।

फरहान के अलावा विल जैक्स और शैडली वैन शल्कविक हुए थे नामांकित

फरवरी के प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए फरहान के अलावा इंग्लैंड के विल जैक्स और अमेरिका के वैन शल्कविक नामांकित हुए थे।

-- बीते विश्व कप संस्करण में जैक्स ने 8 पारियों में 56.50 की औसत और 176.56 की स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए थे।

-- दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 21.66 की औसत से 9 विकेट लिए थे।

-- वहीं, शल्कविक ने 4 मैचों में 7.76 की औसत के साथ 13 विकेट लिए थे।

अलेक्जेंडर ओवेचकिन ने आईस हॉकी में अपना एक 1000वां गोल दागा

वॉशिंगटन

वॉशिंगटन कैपिटल्स के अलेक्जेंडर ओवेचकिन एनएचएल के रेगुलर सीजन और प्लेऑफ, दोनों को मिलाकर एक हजार गोल करने वाले दूसरे पुरुष आइस हॉकी खिलाड़ी बन गए।

40 साल के इस खिलाड़ी ने लीग में सबसे आगे चल रही टीम, कोलोराडो एवलांच के खिलाफ मैच के तय समय में 5.43 मिनट बाकी रहते हुए, एक पावर प्ले के दौरान यह ऐतिहासिक गोल किया। लेकिन इसके बावजूद वॉशिंगटन अतिरिक्त समय में 3-2 से हार गया। यह इस सीजन में ओवेचकिन का 26वां रेगुलर-सीजन गोल था और उनके करियर का कुल 923वां गोल था, जिससे उनका रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया। यह उपलब्धि उस समय के लगभग एक साल बाद हासिल हुई है, जब इस महान आइस हॉकी खिलाड़ी ने एनएचएल के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने के मामले में वेन ग्रेट्स्की को पीछे छोड़ दिया था।तीन बार के ओलंपियन ओवेचकिन अब ग्रेट्स्की के कुल एनएचएल गोलों के रिकॉर्ड के और भी करीब पहुंच गए हैं।

इस महान कनाडाई खिलाड़ी ने अपने करियर का समापन कुल 1,016 एनएचएल गोलों के साथ किया था, जिनमें से 894 गोल रेगुलर सीजन में और 122 गोल प्लेऑफ में किए गए थे। प्लेऑफ में किए गए गोलों का यह रिकॉर्ड आज भी ग्रेट्स्की के नाम पर ही दर्ज है। वॉशिंगटन कैपिटल्स को अभी रेगुलर सीजन के 11 मैच और खेलने हैं, और फिलहाल उनका रिकॉर्ड 35-27-9 का है। एलेक्स ओवेचकिन ने वेन ग्रेट्स्की के 31 साल पुराने एनएचएल करियर गोलों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

इंडियन ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट

अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जीते खिताब

मुंबई

शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट का अपना महिला खिताब बरकरार रखा, जबकि अभय सिंह ने पुरुष वर्ग के चैंपियन बने। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में खेले गये फाइनल मुकाबले में स्क्वैश रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत सिंह ने मिस्र की दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी हाना मोअताज़ को 3-1 (11-5, 11-6, 9-11, 11-6) से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा।

खिताब जीतने के बाद अनाहत ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पहले दो गेम में अच्छा खेला; तीसरे गेम में मैं थोड़ी भटक गई थी। मैं इस बात से उत्साहित थी कि मैं जीत रही हूं। लेकिन जब गेम के बीच में मेरे कोच मेरे पास आए, तो मैंने उनसे बात की, और उन्होंने मुझसे अच्छी शुरुआत करने पर ध्यान देने को कहा, क्योंकि यह जरूरी था कि गेम पांचवें सेट तक न जाए। मैंने चौथे सेट की शुरुआत अच्छी की, और मुझे खुशी है कि मैं इसे जीत पाई। उन्होंने कहा, मैं खुद से कहती हूं कि फोकस करो, क्योंकि मेरा फोकस बहुत आसानी से हट जाता है। अगर मैं लगातार दो पॉइंट हार जाती हूं, तो मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मोटिवेटेड रहो, अगले कुछ पॉइंट पर फोकस करो और गेम में वापस आ जाओ।

यह अनाहत की लगातार दूसरी इंडियन ओपन जीत थी; पिछले साल के फ़ाइनल में उसने हॉन्ग कॉन्ग, चीन की हेलेन टैंग को हराया था। साथ ही, यह उसका कुल मिलाकर 16वां पीएसए खिताब भी था। इस बीच, एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने अपने ही देश के वीर चोत्रानी को 3-0 (11-9, 11-8, 11-4) से हराकर पुरुषों का फाइनल जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। वीर चोत्रानी के खिलाफ़ दो मैचों में यह अभय सिंह की पहली जीत थी; इससे पहले, पिछले साल %ओपन स्क्वैश क्लासिक में इन दोनों के बीच हुए एकमात्र मैच में अभय को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद अभय ने कहा, मैं यह टूर्नामेंट जीतकर सच में बहुत खुश हूं। इस समय भारतीय स्क्वैश की स्थिति बहुत अच्छी है। जाहिर है, व्यक्तिगत तौर पर मेरा लक्ष्य लॉस एंजिलिस ओलंपिक है, लेकिन हम सभी के लिए आगे एक बहुत बड़ा साल आने वाला है।

आईपीएल-2026 में बड़े बदलाव

मैच के दिनों में कोई भी अभ्यास सत्र करने की नहीं होगी इजाजत

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा अभ्यास सत्र के लिए जारी किये गये नए दिशा- निर्देशों के तहत मैच के दिनों में कोई भी प्रैक्टिस सेशन करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक अलग इंतजाम भी किया है, जहां मुख्य पिच के दोनों ओर, हर टीम को दो-दो प्रैक्टिस विकेट दिए जाएंगे। जैसा कि पहले बताया गया था, किसी भी टीम को विरोधी टीम के लिए तय किए गए प्रैक्टिस विकेट का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई के एक नोट के अनुसार टीम मैनेजरों को हाल ही में ये अतिरिक्त गाइडलाइंस भेजी गई हैं- टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मुख्य पिच के पास के विकेटों में से 1 विकेट रेंज हिटिंग (जोरदार शॉट लगाने की प्रैक्टिस) के लिए मिलेगा। मुंबई के वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर प्रैक्टिस कर रही हैं, तो हर टीम को 2-2 विकेट मिलेंगे। ओपन नेट (बिना नेट के प्रैक्टिस) की इजाजत नहीं होगी। अगर कोई टीम अपनी प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर लेती है, तो दूसरी टीम को उन विकेटों का इस्तेमाल अपनी प्रैक्टिस के लिए करने की इजाजत नहीं होगी। मैच के दिनों में किसी भी तरह की प्रैक्टिस की इजाजत नहीं होगी।

रियल मैड्रिड ने रोमांचक मुकाबले में एटलेटिको को हराया

लंदन

विनिसियस जूनियर ने दो गोल किए और रियल मैड्रिड ने रविवार को स्पेन की राजधानी में हुए एक रोमांचक डर्बी मैच में मेहमान टीम एटलेटिको मैड्रिड को 3-2 से हराकर शानदार वापसी की, जिससे अल्वारो अर्बेलोआ की टीम ला लीगा के शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना से चार अंक पीछे बनी हुई है। एटलेटिको मैड्रिड तालिका में चौथे स्थान पर होने के कारण, इस मुकाबले को अपेक्षाकृत कम चर्चित मैड्रिड डर्बी के रूप में देखा जा रहा था।

मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट

कोर्डा ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर किया बड़ा उलटफेर

फ्लोरिडा (अमेरिका)

अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने तीसरे दौर के मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को मियामी ओपन से बाहर कर दिया।दो घंटे 19 मिनट तक चले मुकाबले में स्पेन के दिग्गज अल्काराज को दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी कोर्डा से 6-3, 5-7, 6-4 से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ कोर्डा टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बना ली है। शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज ने पहले सेट में ढीला खेल दिखाया, जिससे अमेरिकी खिलाड़ी को शुरुआती बढ़त मिल गई, लेकिन दूसरे सेट में ऐसा लगा कि कोर्डा ने अपना मौका गंवा दिया है। कोर्डा ने 5-4 के स्कोर पर मैच के लिए सर्व किया, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने उनकी सर्विस तोड़ दी और अगले दो गेम जीतकर मैच को तीसरे सेट तक खींच लिया। अल्काराज ने अपना खेल तेज़ किया, लेकिन कोर्डा ने अपना संयम बनाए रखा और तीसरे सेट में 4-3 से बढ़त बना ली, जब उनके विरोधी ने फोरहैंड शॉट बाहर मार दिया। कोर्डा ने आत्मविश्वास के साथ अपनी अगली दो सर्विस गेम जीतीं और मैच अपने नाम कर लिय। कोर्डा चौथे राउंड में 14वीं सीड वाले कैरेन खाचानोव या क्वालिफ़ायर मार्टिन लैंडालूस का सामना करेंगे।

नोरी और बोल्टर टूर्नामेंट से बाहर

स्टार टेनिस खिलाड़ी कैमरून नोरी और केटी बोल्टर की हार के बाद ब्रिटेन का मियामी ओपन के एकल वर्ग में ब्रिटेन का अभियान समाप्त हो गया। दिन के पहले मुकाबले में 30 साल के नोरी को अमेरिका के 21 साल के एलेक्स मिशेलसेन के हाथों 7-5, 6-7 (4-7), 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। 23वीं सीड वाले नोरी पहला सेट कड़े मुकाबले के बाद हार गए और दूसरे सेट में 3-0 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया। उन्होंने टाई-ब्रेक जीता और मैच को निर्णायक सेट तक ले गए। तीसरे सेट के तीसरे गेम में मिली एक ब्रेक मिशेलसेन के लिए निर्णायक साबित हुई। उन्होंने अपनी सर्विस के दम पर अपने घरेलू मैदान पर टॉप 16 में जगह बना ली। वहीं ब्रिटेन की नंबर तीन खिलाड़ी केटी बोल्टर चेक गणराज्य की 13वीं सीड कैरोलिना मुचोवा के हाथों 6-3, 7-5 से हार गईं। मुचोवा ने 29 साल की बोल्टर की सर्विस पहले सेट में दो बार तोड़ी, और दूसरे सेट में उन्हें सिर्फ़ एक और ब्रेक की ज़रूरत पड़ी। 6-5 से आगे होने के बाद उन्होंने जीत पक्की कर ली।

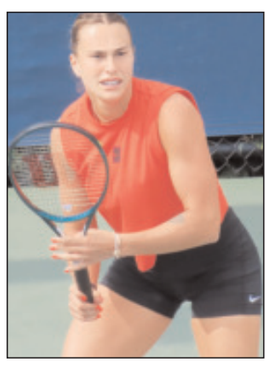

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका अंतिम 16 में

बेलारूस की टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की कैटी मैकनैली को सीधे सेटों में हराकर मियामी ओपन के अंतिम 16 में जगह बना ली हैं। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका का लक्ष्य एक ही वर्ष में इंडियन वेल्स और मियामी, दोनों खिताब जीतने वाली केवल पांचवीं महिला खिलाड़ी बनना है। बेलारूस की सबालेंका ने अमेरिकी खिलाड़ी मैकनैली पर 6-4, 6-2 से जीत दर्ज करते हुए अपनी जीत का सिलसिला लगातार आठ मैचों तक बढ़ा दिया। डिफेंडिंग चैंपियन का मुकाबला चीन की झेंग किनवेन से होगा। झेंग ने अमेरिकी 15वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मैडिसन कीज को हराकर जुलाई में कोहनी की सर्जरी के बाद पहली बार किसी शीर्ष-20 खिलाड़ी पर जीत दर्ज की। सबालेंका ने ओलंपिक चैंपियन झेंग के साथ अपने आठ मुकाबलों में से सात में जीत हासिल की है।

तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना ने यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को 6-3, 6-4 से हराकर आसानी से अंतिम 16 में जगह बनाई। कजाकिस्तान की रायबाकिना का अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर तालिया गिब्सन से होगा, जिन्होंने 18वीं वरीयता प्राप्त इवा जोविक को 6-2, 6-2 से हराकर एक और वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।गिब्सन ने मियामी में दूसरे दौर में पूर्व विश्व नंबर एक नाओमी ओसाका को हराया था। पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला, जो पिछले साल सबालेंका के हाथों उपविजेता रही थीं, को कनाडा की लेलाह फर्नांडीज को 6-2, 6-2 से हराने में केवल एक घंटा और छह मिनट का समय लगा।लातविया की येलेना ओस्तापेंको ने जोरदार वापसी करते हुए इटली की सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी पर 5-7, 6-2, 7-5 से जीत दर्ज की। ओस्तापेंको का अगला मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी और विश्व की 45वीं वरीयता प्राप्त हेली बैपटिस्ट से होगा, जिन्होंने यूक्रेन की नौवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्विटोलिना को 6-3, 7-5 से हराया था।

इगा स्वियाटेक और कोच फिसेट ने 17 महीने के कार्यकाल के बाद अलग होने का फैसला किया

नई दिल्ली

विश्व नंबर 3 इगा स्वियाटेक ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने विम फिसेट के साथ अपनी कोचिंग साझेदारी समाप्त कर दी है। यह फैसला सीज़न की निराशाजनक शुरुआत के बाद लिया गया, जिसका अंत मियामी ओपन में अप्रत्याशित हार के साथ हुआ। 24 वर्षीय स्वियाटेक ने अक्टूबर 2024 में बेल्जियम के कोच फिसेट को नियुक्त किया था। उन्होंने कहा कि 17 महीने के इस कार्यकाल के बाद, जिसमें पिछले साल उनका पहला विंबलडन खिताब भी शामिल था, उन्होंने एक अलग रास्ता अपनाने का फैसला किया है।

हालांकि, गुरुवार को मियामी ओपन में विश्व नंबर 50 और पोलिश साथी खिलाड़ी मैगडा लिनेट से मिली हार छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुई।

कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को पसंद नहीं है 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम

नयी दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल का कहना है ऑलराउंडरों के योगदान को सीमित करने वाला 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम उन्हें व्यक्तिगत तौर पर पसंद नहीं हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले बात करते हुए, अक्षर ने टीम में अपनी भूमिका के बारे में बताया और यह स्पष्ट किया कि पिछले सीजन में उनकी गेंदबाजी में कमी की वजह इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं था।

पटेल ने कहा, सच कहूं तो, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं (हंसते हुए), अक्षर ने जवाब दिया, जब उनसे इस नियम के बारे में पूछा गया, जो आईपीएल 2023 से लागू है। पहले, आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं, इसलिए मुझे यह नियम पसंद नहीं है। साथ ही, नियम तो नियम होते हैं और हमें उनका पालन करना होता है। लेकिन निजी नजरिए से, मुझे यह नियम पसंद नहीं है। पिछले साल कैपिटल्स टॉप चार से ठीक बाहर रह गई थी, और अक्षर के लिए गेंदबाजी के लिहाज से वह एक निराशाजनक सीज़न रहा था। उन्होंने 2018 के बाद से किसी एक सीज़न में सबसे कम ओवर (34) फेंके, और 57.60 की औसत से सिर्फ़ पाँच विकेट लिए, जो सात सालों में उनका सबसे खराब औसत था।जब उनसे पूछा गया कि क्या 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का उनकी सीमित भूमिका पर कोई असर पड़ा था, तो अक्षर ने बताया कि असल में इसकी वजह उंगली में लगी चोट थी।

उन्होंने कहा, आईपीएल से ठीक पहले 2025 चैंपियंस ट्रॉफी हुई थी। चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान, मेरी स्पिनिंग उंगली में कट लग गया था- जब मैं गेंदबाज़ी कर रहा था, तो गेंद की सीम की वजह से वह कट और गहरा होता गया। वह एक गहरे जख्म में बदल गया। इसकी वजह से, मैं गेंद पर दबाव और रोटेशन नहीं डाल पा रहा था। इसी वजह से मैं कम गेंदबाजी कर रहा था।

मैं सोच रहा था कि जहां जरूरत हो, वहीं गेंदबाजी करूं और अपनी उंगली को बचाकर रखूं। सात मैचों के बाद, जब मेरी उंगली ठीक हो गई, तो मैंने फिर से गेंदबाज़ी शुरू कर दी। इसकी वजह इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं था।÷

जब उनसे पूछा गया कि वे अलग-अलग भूमिकाओं को कैसे निभाते हैं, और क्या उनकी कोई पसंदीदा जगह है, तो अक्षर ने ज़ोर देकर कहा कि वे टीम की ज़रूरत के हिसाब से खुद को ढालने में खुश हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने लीग कप जीता

लंदन

यहां के वेम्बली स्टेडियम में खेले गए लीग कप के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को करारी शिकस्त देते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। निको ओ रेली के दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों की बदौलत सिटी ने यह जीत हासिल की। इस जीत के साथ सिटी ने ट्रॉफी जीतने के अपने सर्वोच्च दावेदारों में एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी।

प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रही आर्सेनल टीम 2020 के बाद अपनी पहली ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार थी, लेकिन सिटी ने नौवीं बार यह खिताब जीतकर सिटी को चौंका दिया।

इनमें से पांच खिताब पेप गार्डियोला के 2016 में आने के बाद से जीते गए हैं और स्पेनिश मैनेजर अब इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। उन्होंने जोस मोरिन्हो, एलेक्स फर्ग्यूसन और ब्रायन क्लॉफ को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने यह खिताब चार-चार बार जीता था।

यह गार्डियोला की जीतों के विशाल संग्रह में से एक सबसे सुखद जीत भी हो सकती है ।

सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद क्रिकेटर पाकिस्तान रवाना

ढाका

बांग्लादेश के एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय क्रिकेटर सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए पाकिस्तान रवाना हो गए।

यह घोषणा तब हुई जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय तनावों को देखते हुए, पीएसएल में हिस्सा लेने के मामले में क्रिकेटरों के लिए उन्हें सरकारी मंजूरी की जरूरत होगी। इस घोषणा के कुछ ही घंटों बाद, चार बांग्लादेशी क्रिकेटर पाकिस्तान के लिए रवाना हो गए। इसके बाद एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों के आगे बढ़ने का रास्ता साफ कर दिया है।

सरकारी अधिकारी ने कल इस बात की पुष्टि करते हुए बताया, हमने विदेश मंत्रालय के साथ (पाकिस्तान की स्थिति के बारे में) चर्चा की और बाद में उन्होंने इस्लामाबाद में हमारे उच्चायोग से संपर्क किया; जब उन्होंने सुरक्षा का आश्वासन दिया, तब हमने पीएसएल में खेलने की अनुमति देने का फैसला किया। पीएसएल 26 मार्च से 3 मई तक चलेगा।

ईसीबी ने पुष्टि की है कि ब्रेंडन मैकुलम तीनों प्रारूपों में मुख्य कोच के रूप में बने रहेंगे

लंदन

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोमवार को घोषणा की कि टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और ड्रेसिंग रूम की संस्कृति पर उठ रहे सवालों के बावजूद, ब्रेंडन मैकुलम तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के मुख्य कोच बने रहेंगे। ईसीबी द्वारा एशेज श्रृंखला में मिली करारी हार के बाद की गई समीक्षा के बाद, बेन स्टोक्स टेस्ट कप्तान और हैरी ब्रूक उप-कप्तान बने रहेंगे, जबकि रॉब की इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम के प्रबंध निदेशक के पद पर बने रहेंगे। इंग्लैंड को इस साल

ऑस्ट्रेलिया में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा और इस हार की आलोचनाओं में इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए उनकी लापरवाही भरी तैयारियों को भी शामिल किया गया। ब्रूक की कप्तानी में, इंग्लैंड इस महीने ट्वेंटी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अंततः चैंपियन बने भारत से हार गया। पिछले साल न्यूजीलैंड में एक नाइट क्लब के बाउंसर के साथ ब्रूक की झड़प अभी भी चर्चा का विषय बनी हुई है।ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने भी टीम की संस्कृति की आलोचना करते हुए कहा है कि मौजूदा प्रबंधन मुख्य टीम के बाहर के खिलाड़ियों की परवाह नहीं करता है। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड गोल्ड ने बीबीसी को बताया, मैंने अपने नेतृत्व समूह में वह प्रबल महत्वाकांक्षा और दृढ़ संकल्प देखा है जो एशेज से सबक लेकर आगे बढ़ने के लिए हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

स्टेट एआई मिशन शीघ्र आएगा : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सुशासन के जरिए नागरिक सेवाओं और सुविधाओं को और भी सिविक-फ्रेंडली बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए नई-नई तकनीकों से जुड़कर प्रदेश में नवाचारों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात् आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज के दौर का सर्वाधिक संभावनाशील सेक्टर है। शासन-प्रशासन व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार भी आगे बढ़ रही है। अब इस दिशा में एआई की मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम बहुत जल्द मध्यप्रदेश का अपना 'स्टेट एआई मिशन' लांच करने जा रहे हैं। यह एक लक्ष्य

अगले साल 15 जनवरी को राजधानी में होगी सेना की ऐतिहासिक परेड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिले थल सेना प्रमुख द्विवेदी

- केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे परेड में शामिल, नौ जनवरी से शुरू होंगे कार्यक्रम
- दिल्ली के 26 जनवरी जैसी तर्ज पर रहेगी भोपाल की परेड

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में अगले साल 15 जनवरी को सेना दिवस पर 'सेना दिवस परेड' आयोजित की जाएगी। इस ऐतिहासिक परेड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे। खास बात ये है कि यह परेड दिल्ली के 26 जनवरी पर होने वाले परेड की तर्ज पर होगी। राज्य सरकार इस आयोजन में सेना को सहयोग करेगी।

सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट की। इस मुलाकात में युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने और जागरूकता बढ़ाने के विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान भोपाल में 2027 में भारतीय सेना के लिए एक बड़ा और गौरवपूर्ण एक घोषणा की गई। इसके तहत अगले साल 15 जनवरी को सेना दिवस पर भोपाल में 'सेना दिवस परेड' आयोजित की जाएगी। इस ऐतिहासिक परेड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट की।

यह परेड पूरे देश की समृद्ध सैन्य विरासत को प्रदर्शित करेगी और वीर सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत 9 जनवरी 2027 से होगी। इसमें कई रोमांचक और प्रेरणादायक आयोजन शामिल होंगे। वीरों की गाथा और सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए 'शौर्य संध्या' सैन्य हथियारों की प्रदर्शनी, सैन्य अभ्यास और अन्य विशेष कार्यक्रम होंगे।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि भोपाल में सेना दिवस परेड के अलावा सैन्य प्रदर्शनी, सैन्य अभ्यास और शौर्य संध्या जैसे कई कार्यक्रम आयोजन होंगे। इस आयोजन में भारतीय सेना को राज्य सरकार हरसंभव सहयोग देगी। ये आयोजन शौर्य स्मारक, अटल पथ, बड़ा तालाब, जंबूरी मैदान और भेल के मुख्य मार्गों पर होंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्य सचिव अनुराग जैन और चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी समेत अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से शुरू होंगे कार्यक्रम

- प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में स्थापना दिवस 1 नवंबर को होने वाले मेरी माटी अभियान के अंतर्गत हॉट एयर बैलून गतिविधि, मोटर साइकिल रैली, दौड़ तथा अन्य गतिविधियां का आयोजन होगा।
- सेना दिवस पर होने वाले इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1 नवंबर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से होगी। स्थापना दिवस पर मेरी माटी अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों से मिट्टी लाकर भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में संकल्प वृक्ष लगाया जाएगा।
- सेना दिवस 15 जनवरी की परेड के लिए 9,11 और 13 जनवरी को अभ्यास होगा। इसी प्रकार 15 जनवरी की शौर्य संध्या के लिए 11 और 13 जनवरी को अभ्यास का क्रम रखा गया है।
- सैन्य प्रदर्शनी का आयोजन सात से 12 जनवरी तक होगा। टीटी. नगर स्टेडियम और सैन्य प्रदर्शनी जम्बूरी मैदान में लगाई जाएगी। भोपाल के बड़े तालाब में 11 और 12 जनवरी को सैन्य अभ्यास होगा।
- सेना की परेड के लिए अटल पथ, एयरोसिटी रोड, भेल कालीबाड़ी मार्ग और भेल लिंक रोड प्रस्तावित किए गए हैं।

कोलार के जेके अस्पताल में पहली बार ईबीयूएस प्रक्रिया सफल

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोलार स्थित जेके हॉस्पिटल में उन्नत चिकित्सा तकनीक ईबीयूएस प्रक्रिया पहली बार सफलतापूर्वक की गई। यह उपलब्धि अस्पताल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है, जिससे फेफड़ों से संबंधित रोगों के निदान एवं उपचार को नई दिशा मिलेगी।

ईबीयूएस एक अत्याधुनिक एवं न्यूनतम इनवेसिव तकनीक है, जिसका उपयोग फेफड़ों तथा उनके आसपास स्थित लिम्फ नोड्स की सूक्ष्म जांच के लिए किया जाता है। इस तकनीक के माध्यम से बिना बड़े ऑपरेशन के सटीक बायोप्सी

संभव होती है, जिससे फेफड़ों के कैंसर, टीबी, सारकॉइडोसिस जैसी गंभीर बीमारियों का प्रारंभिक एवं सटीक निदान किया जा सकता है। मध्य प्रदेश में यह सुविधा सीमित स्थानों पर ही उपलब्ध है, जिससे इसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ जाती है। इस प्रक्रिया को अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम–डॉ. गौरव साहू, डॉ. शहज़ाद हुसैन एवं डॉ. शिवानी चतुर्वेदी–ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसमें एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. अशोक तथा पैथोलॉजी विभाग से डॉ. अंकिता बघेल का विशेष सहयोग रहा।

डीजीपी के पास पहुंचा यातायात सिपाही से मारपीट का मामला

भोपाल। कोलार रोड इलाके में एक सप्ताह पूर्व रेलवे कर्मचारियों और यातायात पुलिस के बीच हुई झड़प का मामला पुलिस मुख्यालय पहुंच गया है। दरअसल, रेलवे कर्मचारियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने एफआईआर के विरोध में एक तरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। जिसके बाद डीजीपी ने भोपाल पुलिस कमिश्नर से इस संबंध में प्रतिवेदन मांगा है। पुलिस के अनुसार 15 मार्च को यह विवाद कोलार रोड इलाके पर हुआ था। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने अंकित सिंह, हरेंद्र रघुवंशी, पुष्पलता पाठक, रजनी और दो-तीन अन्य व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था।

खाद्य विभाग ने जारी किए आदेश

मप्र के 50 हजार होटल-रेस्टोरेंट को मिलेंगे व्यावसायिक गैस सिलेंडर

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश के 50 हजार होटल और रेस्टोरेंट के लिए बड़ी राहत वाली खबर है। अब होटल-रेस्टोरेंट को 9 प्रतिशत व्यवसायिक गैस सिलेंडर की सप्लाई हो सकेगी। सोमवार रात में यह आदेश खाद्य विभाग ने जारी कर दिए। कारोबारियों का कहना है कि सरकार का यह आदेश होटल-रेस्टोरेंट के लिए 'ऑक्सीजन' का काम करेगा। बता दें कि गैस सिलेंडर नहीं मिलने की वजह से कई होटल बंद होने की कगार पर आ गए थे, वहीं कई में मेन्यू बदलना पड़ा था। इसी तरह डीजल भट्टी और इंडक्शन जैसे संसाधनों

के जरिए होटल और रेस्टोरेंट चालू रखे गए। गैस की मांग को लेकर एक दिन पहले ही नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया मध्य प्रदेश चैप्टर और फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि शमी से मुलाकात की थी। जिन्होंने सोमवार को निर्णय लिए जाने की बात कही थी। सोमवार रात में आदेश आने के बाद संचालकों ने राहत की सांस ली।

शहर में दो हजार होटल

एसोसिएशन के अध्यक्ष पाली ने बताया कि भोपाल में 2 हजार होटल और रेस्टोरेंट हैं। अब गैस सिलेंडर मिलने से राहत मिलेगी। शहर के होटल, रेस्तरा, ढाबों, खान-पान सेवा आदि रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर के अभाव में संचालन व्यवस्था में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

'हिंदी पत्रकारिता के दो सौ साल' पर ऐतिहासिक आयोजन कल

भोपाल (नगर संवाददाता)

हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजधानी में एक ऐतिहासिक आयोजन किया जा रहा है। 'माधवराव सप्रे स्मृति समाचार-पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान' के तत्वावधान में आयोजित यह 'ऐतिहासिक प्रसंग' बुधवार 25 मार्च को प्रातः 10:30 बजे आयोजित होगा।

कार्यक्रम संयोजक एवं संग्रहालय संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल मंगुभाई पटेल उपस्थित रहेंगे, वहीं अध्यक्षता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. एस.के. जैन करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि के कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने शहर के बुद्धिजीवियों, पत्रकारों और आमजन से इस ऐतिहासिक आयोजन में सहभागिता की अपील की है। इस अवसर पर 'माधवराव सप्रे सम्मान' से विकास मिश्रा, 'महेश गुप्ता सृजन सम्मान' से अरुण नैथानी तथा 'अशोक मानोरिया पुरस्कार' से डॉ. ब्रजेश शर्मा को सम्मानित किया जाएगा।

खनिज ब्लॉक समिति में केंद्र के संयुक्त सचिव शामिल

भोपाल। राज्य शासन ने नीलाम खनिज ब्लॉकों की प्रक्रिया को तेज करने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति में आंशिक संशोधन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार अब खान मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव को समिति का सदस्य बनाया गया है। यह समिति मुख्य सचिव की अध्यक्षता में काम करती है और खनिज ब्लॉकों की स्वीकृति, अनुबंध निष्पादन तथा आवश्यक अनुमतियों को तय समय सीमा में पूरा कराने की समीक्षा करती है।

काटजू अस्पताल में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया शक्ति केंद्र का शुभारंभ

'किशोरी से मातृत्व तक' स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा शक्ति केंद्र

भोपाल (नगर संवाददाता)

कैलाश नाथ काटजू सिविल अस्पताल में सोमवार को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने 'शक्ति केंद्र-वन स्टॉप संपूर्ण महिला स्वास्थ्य केन्द्र' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की नींव रखती है। सरकार 'किशोरी से मातृत्व तक' महिलाओं के हर चरण में स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल कर रही है। 'शक्ति केन्द्र' इसी सोच का प्रतिफल है, जहां महिलाओं को उनकी सभी स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए

शक्ति केंद्र का शुभारंभ करते उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल।

एक ही स्थान पर समग्र, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस दौरान उन्होंने शक्ति केंद्र निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध अत्याधुनिक मशीनों एवं सेवाओं का अवलोकन किया।

उन्होंने विशेषज्ञ चिकित्सकों से संवाद कर सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी भी ली। केंद्र प्रभारी डॉ. रचना दुबे ने बताया कि केन्द्र में कई आवश्यक जांचें निःशुल्क उपलब्ध हैं और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नियमित परामर्श दिया जाएगा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्नवाल, आयुक्त धनराजू एस, एमडी एनएचएम डॉ सलोनी सिडाना सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भेल ने रचा कीर्तिमान 100 वें ट्रांसफॉर्मर का किया प्रेषण

भोपाल। भेल ने परिणामित्र विनिर्माण विभाग ने कीर्तिमान रचते हुए 100 वें पावर ट्रांसफॉर्मर का सफल निर्माण एवं प्रेषण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ईडी प्रदीप कुमार उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाई। यह उपलब्धि विभाग की उत्कृष्ट कार्य संस्कृति, टीम भावना एवं समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम में जीएम रूपेश तैलंग, जीपी बघेल, एसके. महाजन, आलोक सेंगर, राजेश कुमार अग्रवाल एवं प्रदीप चन्द्र कांडपाल आदि उपस्थित रहे। ईडी उपाध्याय ने विभाग की समस्त टीम को बधाई दी है।

चार महीने बाद भी भाजपा की मोर्चा कार्यकारिणी अधूरी, महिला प्रतिनिधित्व पर उठ रहे सवाल

भोपाल (नगर संवाददाता)

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में जुटी है। भाजपा नियुक्तियों में सामाजिक समीकरण भी साधना चाहती है। इससे नियुक्ति प्रक्रिया में देरी भी हो रही है। मोर्चा अध्यक्षों की घोषणा भाजपा ने चार महीने पहले कर दी, लेकिन इन मोर्चों की पूरी कार्यकारिणी अब तक घोषित नहीं हो पाई है। भाजपा की सबसे अहम कड़ी युवा मोर्चा की कार्यकारिणी का इंतजार लंबे समय से युवा कार्यकर्ता कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल चुनाव से पहले अपनी टीम को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। पिछले साल अगस्त से जिला स्तर पर कार्यकारिणी को मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। जिला कार्यकारिणी का गठन भी लंबा खिंचा। भाजपा को प्रदेश के 62 जिलों की कार्यकारिणी घोषित करने में आधा साल लग गया। इस दौरान भोपाल समेत कई जिलों में कार्यकारिणी घोषित होने के बाद विवाद की स्थिति बनी। मोर्चा अध्यक्षों की घोषणा पिछले साल नवंबर में हो गई थी। इसके बाद से मोर्चा की

कार्यकारिणी अटकी हुई थी। अब तीन मोर्चों की कार्यकारिणी घोषित की गई है। वह भी अधूरी। भाजपा ने दो दिन पहले महिला मोर्चा, पिछड़ा मोर्चा और अनुसूचित जनजाति मोर्चा की कार्यकारिणी घोषित की है। इनमें से महिला मोर्चा और पिछड़ा मोर्चा के जिला अध्यक्षों की घोषणा नहीं हो पाई है। वहीं अनुसूचित जनजाति मोर्चा में सिर्फ 21 जिलों के जिला अध्यक्षों की घोषणा हो पाई है।

भाजपा पिछड़ा मोर्चा में महिलाओं को स्थान नहीं

भाजपा ने पिछड़ा वर्ग मोर्चा और अनुसूचित जनजाति मोर्चा में महिला कार्यकर्ताओं की अनदेखी की है। भाजपा की पिछड़ा मोर्चा की कार्यकारिणी में 36 नियुक्तियों की गई हैं। इसमें एक भी महिला कार्यकर्ता को स्थान नहीं मिला है। वहीं अनुसूचित जनजाति मोर्चा में 21 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। इनमें से सिर्फ देवास जिले में महिला को जिला अध्यक्ष बना गया है। अन्य किसी भी जिले में महिलाओं को जिम्मेदारी नही दी गई है।

मोर्चा जिला अध्यक्षों की नियुक्ति लिए मांगे हैं नाम

भारतीय जनता पार्टी संगठन को बूथ और मंडल स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम करने का दावा कर रही है। इसके लिए प्रशिक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए नए कार्यकर्ताओं, खासकर युवाओं और महिलाओं को सक्रिय किया जा रहा है। साथ ही उन्हें संगठन में अहम जिम्मेदारियां भी सौंपी जा रही हैं। इसके तहत विभिन्न मोर्चों—युवा, महिला, किसान, अनुसूचित जाति और जनजाति मोर्चा—को भी मजबूत करने में जुटी है। इनमें जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की जानी है। इसके लिए कोर कमेटी से प्रत्येक पद के लिए तीन-तीन नाम मांगे गए हैं।

जिलों में बैठक से प्रभारी मंत्रियों को परहेज

भाजपा संगठन में नियुक्तियों को लेकर प्रभार वाले जिलों की जिम्मेदारी प्रभारी मंत्रियों को सौंपी गई थी। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के निर्देश थे कि मंत्री अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर बैठकें करेंगे और चर्चा के आधार पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां दी जाएंगी। लेकिन संगठन के इन निर्देशों का पालन प्रदेश के कई प्रभारी मंत्रियों ने नहीं किया। कुछ प्रभारी मंत्रियों ने जिलों में जाने के बजाय अपने बंगलों पर ही कार्यकर्ताओं को बुलाकर बैठकें कर लीं और नामों के पैनल तैयार कर लिए। नेताओं की इस तरह की गैर-जिम्मेदारी के कारण संगठन की नियुक्ति प्रक्रिया में देरी हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मंशा सामाजिक संतुलन साधने के साथ सक्रिय और जमीनी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने की है, लेकिन इस काम में गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। इसी वजह से पहले जिला कार्यकारिणी के गठन में देरी हुई और अब मोर्चा कार्यकारिणी के गठन में भी विलंब देखने को मिल रहा है।

भारतीय रेलवे ने दो साल बाद किया भत्तों की दरों में संशोधन

लोको और ट्रैफिक रनिंग स्टॉफ का भत्ता बढ़ाया

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

रेलवे ने नेटवर्क की रीढ़ माने जाने वाले लोको पायलट, गार्ड और फायरमैन को किलोमीटर भत्ता और किलोमीटर के बदले भत्ते यानि एएलके की दरों में बढ़ा दिया है। इस बढ़ोतरी का लाभ पश्चिम मध्य रेलवे समेत पूरे देश के लाखों लोको पायलट, गार्ड और फायरमैन को फायदा मिलेगा। हालांकि रेलवे मजदूर संघ समेत अन्य यूनियनों ने इसे समझोते के तहत 25 फीसदी वृद्धि करने की मांग की है।

बता दें कि भारतीय रेलवे ने 1 जनवरी 2024 से महंगाई भत्ते में 50 प्रतिशत की वृद्धि की थी। इसके कारण भारतीय रेलवे

सिस्टम में सभी रनिंग स्टॉफ के लिए किलोमीटर भत्ता और किलोमीटर के बदले भत्ते की दरों में व्यापक संशोधन किया है। इन बढ़ी हुई दरों से हजारों समर्पित लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, फायरमैन, गार्ड और अन्य रनिंग स्टाफ लाभान्वित होंगे, जो चौबीसों घंटे भारत के विशाल रेल नेटवर्क के पहियों को गतिशील रखते हैं।

इस तरह मिलेगा संशोधित भत्ता

लोको रनिंग स्टॉफ को प्रति 100 किमी किलोमीटर और एलके को प्रति 160 किमी पर भत्ता मिलेगा। लोको पायलट मेल को 606 और 969 रुपए, लोको पायलट पैसेंजर/सीनियर मोटरमैन 600 और 960 रुपए, लोको पायलट गुड्स 594 और 951 रुपए, लोको पायलट शंटिंग ग्रेड-एक 461 और 737, लोको पायलट शंटिंग ग्रेड- दो 447 और 715 रुपए, सीनियर एफएम 1, सीनियर सहायक लोको पायलट 447 शंटिंग के लिए 287) और 715 रुपए, सहायक लोको पायलट 430 शंटिंग के लिए 277 और 688 सीनियर सेकंड फायरमैन 430 और 688, सेकंड फायरमैन 362 और शंटिंग के लिए 216 और 579 रुपए। वही ट्रैफिक रनिंग स्टाफ में मेल/एक्सप्रेस गार्ड 549 और 878, सीनियर पैसेंजर गार्ड 543 और 869, सीनियर गुड्स गार्ड 543 और 869, गुड्स गार्ड 537 और 859, सीनियर असिस्टेंट गार्ड/सीनियर ब्रेकमैन 320 और 512, असिस्टेंट गार्ड/ब्रेकमैन-305 और 488 रुपए मिलेंगे। बता दें कि गार्ड को अब ट्रेन मैनेजर के रूप में पुन : नामित किया गया है।

रेलवे यूनियनों ने मांगी 25 फीसदी भत्ता ... पश्चिम मध्य रेलवे के मजदूर संगठन के महामंत्री अशोक शर्मा ने रेलवे ने रनिंग स्टॉफ के जो भत्ते बढ़ाए हैं। वे बहुत कम है। हमने पिछले बार दिल्ली में आयोजित बैठक में डीए के अनुपात में 25 फीसदी भत्ते बढ़ाने की मांग की थी। इसके लिए प्रबंधन के साथ समझौता भी हुआ था, लेकिन रेलवे ने केवल 14.3 प्रतिशत ही भत्ता बढ़ाया है। हम इसका विरोध करते हैं। हमारा रेल प्रबंधन से आग्रह है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए वे इस संशोधन भत्ते पर पुनर्विचार कर इसे बढ़ाकर 25 फीसदी की जाएं।

संभागायुक्त कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी निकली फर्जी

- जांच-पड़ताल के बाद कोहेफिजा पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में एक महीने से निजी और शासकीय प्रतिष्ठानों को लगातार बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही है। ताजा धमकी संभागायुक्त कार्यालय को उड़ाने की दी गई थी। जिसके बाद बम निरोधी दस्ते ने काफी तलाशी लेने के बाद कार्यालय को क्लीनचिट दे दी। हालांकि इस दौरान सारे महत्वपूर्ण कार्य को लंबित कर दिया गया था।

जानकारी के अनुसार ताजा धमकी के भी तार दक्षिण भारत के एक राज्य से सीधे जुड़ रहे है। पूर्व की तरह इस बार की धमकी भरे मेल में भी उन्हीं बातों का जिक्र है जो पहले किया गया था। धमकी देने वाले का कहना है कि तमिल सरकार में मंत्री सेंथिल बालाजी पर दर्ज सीबीआई के मुकदमे हटाने की भी मांग ई-मेल में की गई है। मेल में कहा गया था कि संभागायुक्त कार्यालय को सिलसिलेवार उड़ाने के लिए छोटे-छोटे 15 आरडीएक्स बम रखे गए हैं। यह बम दोपहर सवा एक बजे के बाद फटना शुरु होंगे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)